mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-28 अंक-335 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

06 दिसंबर 2024 शुक्रवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

एडिलेड टेस्ट में ...

@ पेज 7

दिल्ली मार्च को लेकर किसान संगठनों में ही फूट

हरियाणा के किसानों ने बनाई दूरी,एसकेएम भी नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नोएडा के बाद पंजाब के किसान अब दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे हैं। पंजाब के किसान संगठनों ने पहले ही ऐलान किया था कि वह 6 दिसंबर से दिल्ली के लिए कूच करेंगे। भारतीय किसान यूनियन (सिद्धूपुर) के जगजीत सिंह डल्लेवाल और किसान नेता सरवन सिंह पंधेर की ओर से इसका ऐलान किया गया था। कूच से पहले ही किसान संगठनों में इसे लेकर फूट देखने को मिल रही है। संयुक्त किसान मोर्चा और किसान सभा की ओर से बयान सामने आया है कि वह इस मार्च का हिस्सा नहीं होंगे। किसानों के दिल्ली चलो मार्च को लेकर

ऑल इंडिया किसान सभा का बयान सामने आया है। किसान सभा की ओर से कहा गया है कि संयुक्त किसान मोर्चा इस मार्च में शामिल नहीं होगी। कुछ मीडिया रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया है कि भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के चीफ गुरनाम सिंह चढूनी ने कहा है कि इस मार्च के लिए ना तो उनसे संपर्क किया गया और ना ही उनकी सलाह ली गई। इसलिए उनका संगठन इस मार्च में शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पहले उनकी ओर से मार्च को समर्थन देने की कोशिश की गई थी लेकिन अब काफी कुछ बदल गया है। अब वह अपने हिसाब से फैसले ले रहे हैं तो इन मामलों में वह दखल नहीं देंगे। वहीं भारतीय किसान मजदूर यूनियन के अध्यक्ष सुरेश कोथ का कहना है कि हमारा संगठन एसकेएम से जुड़ा है। हालांकि शंभू बॉर्डर पर चल रहे आंदोलन से उनका कोई लेनादेना नहीं है।

सुखबीर बादल पर फायरिंग, अकाली दल ने पुलिस को घेरा

- मजीठिया का दावा-एक दिन पहले एसपी हमलावर आतंकी से मिले

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल पर फायरिंग को लेकर शिरोमणि अकाली दल और पंजाब पुलिस व एएपी सरकार आमने-सामने हो गए हैं।

एक तरफ सीएम भगवंत मान से लेकर समूची ,एएपी लीडरशिप और मंत्री पंजाब पुलिस को सुखबीर की जान बचाने का क्रेडिट दे रहे है। वहीं अमृतसर पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत भुल्लर ने कहा कि वह फायरिंग की घटना की सुखबीर के प्रति सहानुभूति के एंगल से जांच करेंगे। इसके बाद अकाली नेता बिक्रम मजीठिया ने गोल्डन टेंपल का एक सीसीटीवी फुटेज जारी कर दिया।

इसमें उनका दावा है कि 4 दिसंबर को हुए हमले से एक दिन पहले 3 दिसंबर को अमृतसर पुलिस के एसपी हरपाल सिंह आतंकी हमलावर आतंकी नारायण सिंह चौड़ा से मिले थे। अकाली नेता परमबंस सिंह रोमाणा ने भी इसको लेकर सवाल खड़े किए कि एसपी ने चौड़ा से हाथ मिलाया। उसके साथ बात की। आखिर चौड़ा को उसी वक्त गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। इसको लेकर अभी अमृतसर पुलिस की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वहीं सुखबीर बादल हमले के बाद आज गुरुवार को रोपड़ स्थित तख्त श्री केसगढ़ साहिब में सेवादार की सजा भुगतने पहुंचे हैं। यहां पंजाब पुलिस ने उन्हें थ्री लेयर सिक्योरिटी दी है। सुखबीर के इर्द-गिर्द पुलिसकर्मियों का सुरक्षा घेरा बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

बड़ी खुशखबरी!

लखनऊ से भोपाल का सफर सिर्फ 8 घंटे में होगा पूरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के लोगों के बड़ी खुशखबरी आने वाली है। दोनों राज्यों के राजधानियों को जोड़ने के लिए बहुत जल्द एक्सप्रेस वे मिलने वाला है। उम्मीद है कि अगले साल ये एक्सप्रेस वे लोगों के लिए चालू हो जाएगी। लखनऊ से भोपाल की दूरी करीब 600 किमी है। जिसको तय करने में अभी 14 से 15 घंटे का समय लगता है। लेकिन इस एक्सप्रेस-वे के बन जाने के बाद यह समय घटकर महज 7 घंटे हो जाएगी। जिससे यात्रा करने वाले फर्राटेदार तरीके से

सफर कर सकेंगे। दोनों राजधानियों को जोड़ने वाले इस एक्सप्रेस-वे को 3 अलग-अलग फोर और सिक्स लेन हाईवे से जोड़ा जाएगा। जिसको लेकर काम चल रहा है। इसके लिए कानपुर-कबरई हाईवे, कबरई-सागर हाईवे और सागर भोपाल हाईवे के जरिए तीन हिस्सों के तहत बनाया जा रहा है। इस एक्सप्रेस-वे के बन जाने से जहां भोपाल और लखनऊ को जोड़ा जा रहा है वहीं बुंदेलखंड को भी दोनों राजधानियों से सीधे जोड़ा जाएगा। इस एक्सप्रेस-वे को यमुना एक्सप्रेस-वे की तर्ज पर बनाया जा रहा है।

एक मात्र बड़ा राज्य भी नहीं संभाल पा रही कांग्रेस!

कर्नाटक में सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच टकराव ने बढ़ाई राहुल गांधी की टेंशन

बेंगलुरु (एजेंसी)। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस की बात करें तो पूरे देश में उसकी कुछ ही राज्यों में सरकारें हैं। उन सबमें भी सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण राज्य कर्नाटक है, जो कि आईटी से लेकर मैन्युफैक्चरिंग के लिहाज से अहम राज्य है लेकिन यहां दो प्रमुख नेताओं के बीच पावर शेयरिंग को लेकर सिरफुटौव्वल की स्थिति है। ये दो नेता कोई नहीं बल्कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार हैं। दरअसल,

कर्नाटक में 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एकतरफा जीत हासिल की थी। कांग्रेस आलाकमान ने सीएम की कुर्सी सिद्धारमैया को दी थी, जबकि दावेदारी डीके शिवकुमार कर रहे थे। ये दावेदारी ही अब एक बार फिर चर्चा में आई है, जिसको लेकर दोनों ही नेता टकरा गए हैं और मुसीबतें राहुल गांधी की भी बढ़ गई है। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने हाल ही में बयान दिया पार्टी आलाकमान ने कहा था कि पार्टी ने राज्य में पावर शेयरिंग को लेकर एक फॉर्म्यूला तैयार किया था।

10 के पक्ष में किया मतदान, 3 गाजा प्रस्तावों से बनाई दूरी

एस जयशंकर ने भारत-फिलस्तीन मुद्दे पर बताया भारत का रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद में इजरायल-फलस्तीन के मुद्दे पर भारत के रुख पर बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत इजराइल-फलस्तीन मुद्दे पर दो-राष्ट्र समाधान का समर्थक है। जयशंकर ने राज्यसभा में बताया कि भारत ने यूएन में फलस्तीन पर 13 में से 10 प्रस्तावों का समर्थन किया

है। भारत फलस्तीन को मानवीय सहायता भी भेज रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस मुद्दे पर कई विश्व नेताओं से बात की है। एस जयशंकर ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि भारत, इजराइल और फलस्तीन दोनों के साथ एक स्वतंत्र और सुरक्षित देश के रूप में रहने के पक्ष में है। उन्होंने साफ किया कि 7 अक्टूबर से अब तक यूएन में फलस्तीन पर 13 प्रस्ताव आए हैं। इनमें से भारत ने 10 का समर्थन किया है और 3 पर अलग रहा है। जयशंकर ने कहा, भारत की फलस्तीन के प्रति नीति लंबे समय से चली आ रही है।

देवेंद्र फडणवीस बने महाराष्ट्र के एक 'नाथ'

पीएम मोदी की मौजूदगी में ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

शिंदे और अजित पवार ने ली डिप्टी सीएम पद की शपथ

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महायुति की प्रचंड जीत के बाद बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने 11 दिन बाद गुरुवार को मुख्यमंत्री की शपथ ग्रहण की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 22 राज्यों के सीएम और डिप्टी सीएम की मौजूदगी में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने फडणवीस को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। देवेंद्र फडणवीस को 4 दिसंबर को बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया था। गुरुवार को शपथ लेने से पहले फडणवीस सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे थे।

वहां पर उन्होंने गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया था। इसके बाद उन्होंने गौमाता की पूजा भी की थी। शपथ समारोह में पहले देवेंद्र फडणवीस और फिर उनके बाद एकनाथ शिंदे व अजित पवार ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ तमाम राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहे।

संसद में गतिरोध, पक्ष-विपक्ष में बढ़ता जा रहा है टकराव

बाहर विपक्ष का घेरा,अंदर निशिकांत बोले-विपक्ष सरकार गिराने की कर रहा कोशिश

राहुल से पूछा- क्या आप खालिस्तान समर्थकों और कश्मीर तोड़ने वालों से नहीं मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र का गुरुवार को 8वां दिन था। इस दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बीच तीखी बहस हुई। निशिकांत दुबे ने आरोप लगाए कि विपक्ष सरकार गिराने की लगातार कोशिशें कर रहा है। निशिकांत ने राहुल गांधी से पूछा कि क्या आप

खालिस्तान समर्थकों और कश्मीर का विभाजन चाहने वालों से नहीं मिले। निशिकांत ने ये भी बताया कि विपक्षी नेताओं का एक धड़ा पीएम नरेंद्र मोदी की अगुआई में देश को मिली तरक्की को गलत साबित करना चाहता है। एक संस्था मीडियापार्ट ने एक रिपोर्ट में बताया कि इंडिया संगठन का काम है कि कैसे संसद की कार्यवाही को रोका जाए। निशिकांत ने कहा कि मैं विपक्ष के नेता से ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के सलिल चौधरी से संबंधों पर 10 सवाल पूछना चाहता हूं। क्या उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के लिए पैसा नहीं दिया।

गौरव गोगोई बोले- मोदी अब संभल में आग लगाना चाहते हैं

असम से सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि भाजपा झूठ बोल रही है। वे संसद नहीं चलाना चाहते। राहुल गांधी देश में शांति कायम करना चाहते हैं। पीएम मोदी ने जिस तरीके से मणिपुर में आग लगाई, वैसे ही संभल में आग लगाना चाहते हैं। राहुल गांधी को संभल जाने से रोका गया। विपक्षी सांसद काली जैकेट पहनकर संसद पहुंचे और गली-गली में शोर है, मोदी-अडाणी चोर हैं के नारे लगाए। संसद की पिछली 7 कार्यवाहियों में संभल हिंसा, मणिपुर हिंसा, किसानों की मांग का मुद्दा और अडाणी मामला सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। विपक्षी सांसदों के साथ राहुल और प्रियंका गांधी भी शामिल हुए।

गलतफहमी में मत रहिए आप लोग, बंटेंगे तो कटेंगे: योगी

बांग्लादेश में दुश्मन कृत्य कर रहे, यहां भी ऐसे लोग हैं...

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल हिंसा पर बड़ा बयान दिया है। सीएम गुरुवार को अयोध्या पहुंचे और उन्होंने संभल में उपद्रवियों से हमदर्दी जताने वालों पर तीखा हमला बोला। सीएम योगी ने यहां रामायण मेले का उद्घाटन करते हुए कहा कि संभल, अयोध्या और बांग्लादेश में हिंसा करने वालों का डीएनए एक ही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा,याद करो 500 साल पहले बाबर के आदमी ने अयोध्या कुंभ में क्या किया था। आप लोग गलतफहमी में मत रहिए बंटेंगे तो हर हाल में कटेंगे। संभल में भी यही हुआ था और बांग्लादेश में भी वही हो रहा है। तीनों की प्रकृति और उनका डीएनए एक ही है। अगर कोई इस पर विश्वास करता है बांग्लादेश में हो रहा है तो वही तत्व यहां भी आपको सौंपने के इंतजार में हैं। उन्होंने सामाजिक एकता को तोड़ने की पूरी तैयारी कर ली है। इस बारे में बात करने वाले कुछ लोग ऐसे हैं जिनके पास विदेश में संपत्ति है।

पंजाब निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

अगले सप्ताह शुरू होगा टिकट वितरण का काम, रविवार तक मांगी जाएगी दावेदारों की फाइनल लिस्ट

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में पांच नगर निगमों और 43 नगर परिषदों के चुनाव की जंग जीतने के लिए कांग्रेस ने अपनी रणनीति तैयार कर ली है। पार्टी ने तय किया है कि सभी जगहों से चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों के नामों की अंतिम सूची रविवार तक राज्य स्क्रीनिंग कमेटी को भेज दी जाएगी। वहीं, जिन जगहों पर कोई दूसरा उम्मीदवार नहीं होगा, वहां अगले सप्ताह तक टिकट बांट दिए जाएंगे। चंडीगढ़ में हुई स्क्रीनिंग कमेटी मीटिंग में पार्टी प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने साफ किया है कि चुनाव उनके लिए काफी अहम है। प्रत्याशी के चयन के लिए कोई भी सिफारिश करें, उनकी सुनवाई जरूर करें लेकिन नाम उसी का भेजा जाए जो कि चुनाव जीतने की क्षमता रखता हो। नगर निगमों बहुत से कई ऐसे वार्ड होते हैं, जहां से केवल एक ही आवेदन आया होगा। वहां पर कोई दूसरा प्रतिदंद्वी नहीं है। उन एरिया टिकटों का बंटवारा अगले हफ्ते तक कर दिया जाएगा। जब पिछली बार चुनाव हुए तो पार्टी सत्ता में थी, लेकिन इस बार स्थितियां दूसरी है।

इसरो का कमाल

प्रोबा-3 मिशन की सक्सेसफुल लॉन्चिंग

इसके जरिए सूर्य की स्टडी की जाएगी,अंतरिक्ष मौसम की जानकारी मिलेगी

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) ने गुरुवार को प्रोबा-3 मिशन लॉन्च किया। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से इस मिशन को गुरुवार शाम 4.04 बजे बजे पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल से लॉन्च किया गया। ये मिशन यूरोपियन स्पेस एजेंसी का है। इसका उद्देश्य दो उपग्रहों- कोरोनोग्राफ और ऑकुल्टर के जरिए सूर्य के बाहरी वातावरण की स्टडी करना है। इसरो इस मिशन को बुधवार शाम 4.08 बजे लॉन्च करने वाला था, लेकिन तकनीकी दिक्कत के कारण इसकी लॉन्चिंग को एक दिन टाल दिया था। दोनों सैटेलाइट एक दूसरे से 150 मीटर की दूरी पर रहेंगे दोनों सैटेलाइट पृथ्वी की अण्डाकार कक्षा में चक्कर लगाएंगे। पृथ्वी से इनकी सबसे ज्यादा दूसरी 60,530 किमी और सबसे कम दूसरी लगभग 600 किमी होगी। इस कक्षा में दोनों सैटेलाइट एक दूसरे से 150 मीटर की दूरी रखने में सक्षम होंगे और एक यूनिट की तरह काम करेंगे। ऑकुल्टर सैटेलाइट में 1.4-मीटर की ऑकुलेटिंग डिस्क लगी है जिसे सूर्य की चमकदार डिस्क को ब्लॉक करने के लिए डिजाइन किया गया है। इससे कृत्रिम सूर्य ग्रहण होता है। इस छाया के भीतर कोरोनाग्राफ सैटेलाइट अपने टेलीस्कोप से सोलर कोरोना का निरीक्षण करेगा। प्रोबा-3 का प्राइमरी गोल स्पेस वेदर के बारे में हमारी समझ को बढ़ाना है, जिसमें सौर तूफान और कोरोनल मास इजेक्शन शामिल हैं। इस मिशन में दो सैटेलाइट के जरिए स्पेस एजेंसी अपनी एडवांस्ड फॉर्मेशन-फ्लाइंग टेक्नोलॉजीज को भी वैलिडेट करना चाहती है। प्रोबा-3 के जरिए वैज्ञानिक ये पता लगाना चाहते हैं कोरोना सूर्य की सतह से अधिक गर्म क्यों है और सौर हवा कैसे तेज होती है।

विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट की यूनिट ने लगातार 200 दिन उत्पादन का बनाया नया रिकार्ड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट की यूनिट नंबर 5 ने 200 दिन लगातार विद्युत उत्पादन करने नया रिकार्ड बनाया। इससे पूर्व इस यूनिट ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में 178 दिन लगातार विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड दर्ज किया था। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई ने संजय गांधी ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 5 के अभियंताओं व कार्मिकों को बधाई दी। उन्होंने यूनिट के अभियंताओं व कार्मिकों की सराहना करते हुए कहा कि समर्पण, कड़ी मेहनत व प्रतिबद्धता से लक्ष्य अर्जित करने का यह सर्वश्रेष्ठ व अनुकरणीय उदाहरण है। संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 ने इस वर्ष 17 मई से लगातार संचालित रहते हुए गत दिवस 200 दिन लगातार विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया। यूनिट ने 98.09 फीसदी प्लांट उपलब्धता फेक्टर (पीएएफ), 93.75 फीसदी प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) व यूनिट ने 5.81 प्रतिशत की ऑक्जलरी कंजम्पशन (एपीसी) की उपलब्धि हासिल की। यह यूनिट वर्तमान में भी सतत् विद्युत उत्पादन कर रही है। यह यूनिट 27 अगस्त 2008 को क्रियाशील हुई थी। संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता कि इकाई क्रमांक पांच ने पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल 3927.6 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन एवं 89.7 प्रतिशत पीएलएफ अर्जित करते हुए अभी तक का सर्वाधिक विद्युत उत्पादन व सर्वाधिक पीएलएफ अर्जित करने का रिकार्ड कायम किया था। यूनिट की कुल विशिष्ट तेल खपत 0.24 मिलीलीटर प्रति यूनिट रही थी जो कि अभी तक की न्यूनतम तेल खपत है।

वन स्टॉप सेंटर और ऊर्जा डेस्क के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता-मंत्री भूरिया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान हम होंगे क़ामयाब 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलाया जा रहा है इस अभियान के तहत पूरे प्रदेश में विभिन्न विषयों पर आधारित जनजागरूकता कार्यक्रम हो रहे है। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम महिलाओं के ख़िलाफ़ हिंसा के मामले में समाधान के लिए लोक अधिकार केंद्र, वन स्टॉप सेंटर और ऊर्जा ड्रेस के मध्य समन्वय कार्य विषय पर केन्द्रित रहा।महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि महिलाओं के ख़िलाफ़ हिंसा के मामलों में त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए लोक अधिकार केंद्र ,वन स्टॉप सेंटर और ऊर्जा महिला हेल्प डेस्क के बीच समन्वय अत्यन्त महत्वपूर्ण है। समन्वित प्रयासों से इन मामलों में अधिक त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित कर सकेंगे। इससे महिलाओं को बेहतर सेवाएं मिलेंगी और हिंसा से पीड़ित महिलाओं को तुरंत सहायता मिल सकेगी, जिससे उनकी सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। लोक अधिकार केंद्रों की कार्यप्रणाली में बदलाव के तहत, एकल केंद्रों को बढ़ाया जाना, जो महिलाओं को हिंसा के मामलों में अस्थायी आश्रय, कानूनी सहायता, चिकित्सा सेवाएं और परामर्श जैसी सुविधाएं प्रदान करते हैं। साथ ही, ऊर्जा महिला हेल्प डेस्क के सहयोग से महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में तेज़ और संगठित प्रतिक्रिया प्रदान की जाएगी।

बिजली चोरी के पॉच मामलों में अर्थदंड की सजा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के दतिया, बैतूल एवं सबलगढ़ में विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम एवं जिला न्यायालय द्वारा बिजली चोरी के मामलों में दोष सिद्ध होने पर पॉच आरोपियों को अर्थदंड सहित एक आरोपी को 2 लाख 97 हजार 548 रूपये जुर्माना की सजा सुनाई है। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा दतिया वृत्त अंतर्गत चेकिंग के दौरान श्री दिनेश साहू आत्मज सुरेश साहू द्वारा उनकी राइस मिल में स्थापित कनेक्शन के मीटर को बायपास कर विद्युत चोरी पकड़ते हुए माननीय न्यायायल के समक्ष परिवाद दायर किया गया था। इस पर विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम दतिया श्री सुदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा दोष सिद्ध पाए जाने पर आरोपी श्री दिनेश साहू को दो वर्ष की सजा एवं 2 लाख 97 हजार 548 रूपये जुर्माने की सजा सुनाई है। बैतूल वृत्त के मुलताई ग्रामीण वितरण केन्द्र अंतर्गत श्री विनोदीलाल कवड़े द्वारा अपने परिसर में स्थापित घरेलू कनेक्शन के मीटर को बायपास कर विद्युत चोरी के मामले में विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम मुलताई जिला बैतूल श्री पंकज चतुर्वेदी द्वारा आरोपी श्री विनादीलाल कवड़े के विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत दोष सिद्ध पाए जाने पर वित्तीय लाभ का तीन गुना 22 हजार 071 रूपये का जुर्माना तथा अदायगी नहीं करने पर चार माह की सजा सुनाई है। इसी तरह सबलगढ़ अंतर्गत बिजली चोरी के मामलों में माननीय न्यायालय द्वितीय अति सत्र न्यायाधीश श्री उपेन्द्र देशवाल द्वारा तीन आरोपियों को तीन गुना जुर्माना तथा अदायगी नहीं करने पर चार माह की सजा सुनाई है।

सम्मानित विभूतियाँ उत्कृष्ट कार्यों की ध्वज वाहक-राज्यपाल श्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सम्मानित प्रतिभाएं उत्कृष्ट कार्यों की ध्वज वाहक होती है। उनके उत्कृष्ट कार्य समाज को चुनौतियों का सामना करने का विश्वास और विज़न प्रदान करते है। भावी पीढ़ियां उनके पथ का अनुसरण कर समाज को गतिशील और जीवंत बनाती है। उन्होंने कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना वास्तव में समाज को गौरवान्वित करने, स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्य है। भावी प्रतिभाओं के पथ प्रदर्शन की नैतिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से समाज की जिम्मेदारी है।

राज्यपाल श्री पटेल, प्रेस क्लब भोपाल द्वारा आयोजित मध्यप्रदेश रत्न अवॉर्ड समारोह को रवीन्द्र भवन में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद जी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। अतिथियों का तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। राज्यपाल श्री पटेल का प्रेस क्लब मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री नवीन आनंद जोशी ने श्रीफल, स्मृति

चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हम सब देख समझ रहें है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी लोकतांत्रिक संस्था, आर्थिक शक्ति, वैज्ञानिक कौशल, संस्कृति और विविधता का दुनिया ने लोहा माना है, लेकिन मजबूत राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में आज भी हमारे समक्ष आतंकवाद, विघटनकारी शक्तियों की चुनौतियां है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उच्च मानकों के साथ समाज के वंचित वर्गों के लिए न्याय के प्रयासों और विकास के अवसरों को और अधिक विस्तारित करना भी जरूरी है। उन्होंने अपेक्षा की है कि समावेशी विकास के लिए तुलनात्मक रूप से वंचित और पिछड़े क्षेत्रों के समुदायों का हाथ पकड़ कर समाज के मुख्य धारा में शामिल कराने के प्रयासों का दिशा दर्शन सम्मानित विशिष्ट प्रतिभाएं करें। समारोह समाज में सकारात्मकता को बढ़ाने और उत्कृष्ट कार्यों के लिए समाज विशेषकर युवाओं को प्रेरित प्रोत्साहित करने में सफल होने की मंगल कामना की है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सामाजिक सरोकारों में मीडिया की सहभागिता से वह बहुत अधिक प्रसन्न है, जिन प्रतिभाओं के कार्यों से वे अभिभूत है। उन्हें ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित करने का अवसर मिला है। वह स्वयं को सौभाग्यशाली मान रहे है। उन्होंने सामाजिक सरोकारों में मीडिया की सहभागिता की प्रशंसा की। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा यूरोप की यात्रा का उल्लेख करते हुए प्रदेश में बड़ी मात्रा में विदेशी निवेश आने की जानकारी के संदर्भ में कार्यक्रम के दौरान देश भर के विद्वान और विचारकों की मध्यप्रदेश के विकास के संबंध में बौद्धिक और वैचारिक विचारों को साझा किए जाने को प्रदेश की प्रगति और समृद्धि के प्रयासों की गति को और अधिक बढ़ाने में सहयोगी होने की पहल बताया।

क्रांतिसूर्य टंट्या भील का 135वां बलिदान दिवस मनाया गया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा और जनजातीय समुदाय के महानायक क्रांतिसूर्य टंट्या भील जी के 135वें बलिदान दिवस के अवसर पर बुधवार को खंडवा जिले के पंधाना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बड़ोदा अहीर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह कार्यक्रम में शामिल हुए और टंट्या मामा का पुण्य स्मरण कर उनकी आदमकद प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर पंधाना की विधायिका श्रीमती छाया मोरे, जिला पंचायत खंडवा के उपाध्यक्ष श्री दिव्यादित्य शाह, पंधाना की जनपद पंचायत अध्यक्षा श्रीमती सुन्नी बाई सहित ग्राम सरपंच एवं अन्य स्थानीय जन-प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं द्वारा टंट्या मामा की याद में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। बच्चों और बड़ों सभी ने टंट्या मामा अमर रहे के नारे लगाये। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने टंट्या मामा के जीवन और उनके योगदान को याद करते हुए कहा, टंट्या मामा ने ब्रिटिश शासन के अत्याचारों के खिलाफ जनजातीय समुदाय को संगठित कर आवाज उठाई। उन्होंने गुरिल्ला युद्धकला का सहारा लिया और गरीबों की मदद के लिए अमीरों से अतिरिक्त धन लेकर गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों का आर्थिक सहयोग किया। उनके इन्हीं कार्यों ने उन्हें जनजातीय समुदाय का महानायक बना दिया।

टंट्या मामा को देश में इंडियन रॉबिनहुड के नाम से भी जाना जाता है। उनका जन्म 26 जनवरी 1842 को खंडवा जिले के पंधाना ब्लॉक के ग्राम बड़ोदा अहीर में हुआ था। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीतियों का सक्रिय होकर विरोध किया। विरोधी गतिविधियों में मुखर होने के कारण ब्रिटिश शासन ने 4 दिसंबर 1889 को उन्हें गिरफ्तार कर जबलपुर में फांसी दे दी थी।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के लिये तैयार है नर्मदापुरम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के हर क्षेत्र में संतुलित और सामान विकास के संकल्प को सकार करने के लिये पूरे प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 6वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 7 दिसंबर को नर्मदापुरम में होगी, जिसकी तैयारी जोरों है। नर्मदापुम् राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय उद्योगपतियों के स्वागत के लिये तैयार है। इसके माध्यम से स्थानीय निवेशकों और उद्योगपतियों को भी प्रदेश की औद्योगिक रणनीतियों से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदापुरम में आयोजित होने वाले इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में नर्मदापुरम और आस-पास के क्षेत्र के औद्योगिक विकास और निवेश संभावनाओं के लिहाज से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसमें उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि और विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों, विकासात्मक योजनाओं और विभिन्न उद्योगों की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

क्षेत्रीय इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में क्षेत्रीय उद्योगों से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। व्यापार संवर्धन केंद्र भी खुले रहेंगे, जहां निवेशक मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को देख सकेंगे और संभावनाओं पर चर्चा कर सकेंगे। यह सम्मेलन न केवल राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि राज्य को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी एक अहम कदम साबित होगा।

कॉन्क्लेव में निवेश के अवसर विषय पर विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी (ड्रोन), आईटीईएस और ईएसडीएम, माइनिंग, पर्यटन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (स्वस्थ) क्षेत्र शामिल हैं। इसके बाद दोहपर 12 बजे प्रमुख उद्योगपतियों द्वारा राज्य के व्यवसायिक माहौल पर अपने विचार साझा किए जाएंगे। राज्य की विकासात्मक संभावनाओं पर एक शार्ट फिल्म का प्रजेंटेशन भी किया जायेगा।

कॉन्क्लेव में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण भी होगा।

मध्यप्रदेश पर्यटन को मिला 'सर्वश्रेष्ठ साहसिक पर्यटन राज्य' का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश को एडवेंचर टूरिज्म हब के रूप में स्थापित करने के लिये मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रयासों को निरंतर सफलता हासिल हो रही है। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन में म.प्र. टूरिज्म बोर्ड को सर्वश्रेष्ठ साहसिक पर्यटन राज्य (बेस्ट एडवेंचर टूरिज्म स्टेट) के रूप में सम्मानित किया गया। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू ने टूरिज्म बोर्ड के संयुक्त संचालक डॉ. एस.के. श्रीवास्तव को यह सम्मान सौंपा। सर्वश्रेष्ठ साहसिक राज्य पुरस्कार उन राज्यों को दिया जाता है, जिन्होंने बुनियादी ढांचे, विविध गतिविधियों एवं नवाचारों के माध्यम से साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता हासिल की हो। प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति विभाग एवं प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने पुरस्कार पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भावसिंह लोधी के मार्गदर्शन में प्रदेश को एडवेंचर टूरिज्म हब के रूप में स्थापित करने हेतु विभिन्न स्तरों पर प्रयास किये जा रहे हैं। यह पुरस्कार न केवल हमारे प्रदेश की अद्वितीय प्राकृतिक संपदा और विविध पर्यटन अनुभवों की पहचान है, बल्कि राज्य सरकार के सतत प्रयासों और साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में किए गए नवाचारों का भी परिणाम है। उन्होंने कहा कि सतपुड़ा, पचमढ़ी, अमरकंटक और नर्मदा घाटी जैसे स्थानों ने साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में चार नए पाठ्यक्रम होंगे प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में स्थित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (त्रस्क) में चार नए अत्याधुनिक पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया है। कौशल विकास और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल के मार्गदर्शन में इस परियोजना को नई दिशा दी जा रही है। इन पाठ्यक्रमों में साइबर एंड नेटवर्क सिक्युरिटी एनीमेशन - मोशन ग्राफिक, गेमिग टेक्नोलॉजी और एआर एंड वीआर शामिल हैं। इन सभी पाठ्यक्रमों के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों से लिया जाएगा। उपरोक्त कोर्सेज के संचालन के लिए कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं एमएसएमई मंत्री श्री चेतन काश्यप की उपस्थिति में अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएँगे। तकनीकी साझेदारी के लिए आईआईटी दिल्ली और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर को नॉलेज पार्टनर के रूप में चुना गया है। आईआईटी दिल्ली तीन पाठ्यक्रमों (एनीमेशन - मोशन ग्राफिक, टेक्नोलॉजी और एआर एंड वीआर) के लिए मार्गदर्शन देगा, जबकि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, साइबर और नेटवर्क सुरक्षा के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता प्रदान करेगा। यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि भारत का आईटी क्षेत्र सिंगापुर की तुलना में अधिक उन्नत और विशेषज्ञता से समृद्ध है। इसके अलावा, आईआईटी रोपड़ के साथ एक समझौता किया गया है, जिसके अंतर्गत ड्रोन टेक्नोलॉजी से संबंधित अल्पकालिक पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इनमें डीजीसीए सर्टिफाइड ड्रोन पायलट ट्रेनिंग, ड्रोन डाटा प्रोसेसिंग के लिए जीआईएस, ड्रोन एग्रीकल्चर, और ड्रोन निर्माण जैसे कोर्स शामिल होंगे। ये पाठ्यक्रम ग्लोबल स्किल्स पार्क के छात्रों के साथ-साथ बाहरी प्रतिभागियों के लिए भी उपलब्ध होंगे।

टेक्नोलॉजी ग्रामीण विकास में सहायक होगी-मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा विकसित युक्तधारा पोर्टल ग्रामीण विकास के कार्यों को पूरा करने में मदद करेगा और कृषि विकास में बड़ी भूमिका निभाएगा। मंत्री श्री पटेल ने बुधवार को मध्यप्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान (वाल्मी) में मनरेगा अन्तर्गत युक्तधारा पोर्टल के दो दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण का शुभारंभ कर संबोधित किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, आयुक्त मनरेगा श्री अवि प्रसाद, संचालक वाल्मी श्रीमती सरिता बाला सहित विभागीय अधिकारी और आठ राज्यों से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि युक्तधारा सेटेलाइट इमेजिंग तकनीक पर आधारित है। इस तकनीक का व्यापक उपयोग है। यह तकनीक सरकारी भूमियों की उपलब्धता का आंकलन करने, कार्यों की जमीनी स्तर पर समीक्षा करने, कार्यों की पुनरावृत्ति का पता करने और शोध संबंधी गतिविधियों के लिए उपयोग में लाई जा सकती है। तकनीक की मदद से हम शासकीय भूमियों को चिह्नांकित कर उनके बेहतर उपयोग के विकल्प पर विचार कर सकते हैं। इस तकनीक की मदद से हम बंजर भूमियों का भी चिन्हांकन कर सकते है और पर्यावरण-संरक्षण के लिये बंजर भूमि को पुन: कृषि योग्य बनाने, सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने सहित अन्य कोई बेहतर उपयोग भी कर सकते हैं। नीति निर्धारण में हमें इस टेक्नोलॉजी से बहुत मदद मिलेगी। इस पोर्टल के माध्यम से हम समस्याओं का निराकरण बेहतर तरीके से कर सकते हैं। सभी प्रतिभागी पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करें और शंका समाधान के लिए एक्सपर्ट्स से अधिक से अधिक प्रश्न पूछें।

युक्तधारा एक भू-स्थानिक नियोजन पोर्टल है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में मनरेगा गतिविधियों की ग्राम पंचायत स्तर की योजना बनाना है। यह पोर्टल अलग-अलग प्रकार की थीमेटिक परतों, मल्टी-टेम्पोरल हाई रेजोल्यशन अर्थ ऑब्जर्वेशन डेटा को एनालिटिकल उपकरणों के साथ एकत्रित करता है। इसके माध्यम से योजना बनाने वाले लोगों के द्वारा अलग-अलग योजनाओं के अंतर्गत पिछली संपत्तियों का विश्लेषण किया जाएगा और वे ऑनलाइन उपकरणों के माध्यम से नए कार्यों की पहचान करने में सक्षम होंगे। राज्य के विभागों के अंतर्गत आने वाले अधिकारियों द्वारा तैयार की गई योजनाओं का सही मूल्यांकन भी किया जाएगा। युक्तधारा आधारित योजनाएं निचले स्तर के पदाधिकारी द्वारा तैयार की जाएंगी और इससे जुड़े संसाधन आवंटन के लिए इसे उपयुक्त अधिकारियों और कार्यालयों की ओर से सत्यापित किया जाएगा।

निर्माण क्षेत्र में नवीन तकनीकों पर आधारित कार्यशाला संपन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में निर्माण क्षेत्र में नवीन तकनीकों पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रशासनिक अकादमी में किया गया। इस दौरान अपर मुख्य सचिव श्री केसी गुप्ता एमडी एमपीआरडीसी श्री अविनाश लावनिया,एमडी एमपीबीडीसी डॉ पंकज जैन,ईएनसी पीडब्ल्यूडी श्री केपीएस राणा, ईएनसी (भवन) श्री एसआर बघेल एवं ईएनसी भवन विकास निगम श्री अनिल श्रीवास्तव सहित विभाग के अन्य सभी मुख्य अभियंता, वरिष्ठ अधिकारी एवं इंजीनियर उपस्थित रहे।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि विभाग की कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में नवाचार, पारदर्शिता और सामूहिकता की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा नवाचार हमारी ताकत है हमें नवाचार के साथ समरस होकर कार्य करना चाहिए। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि विकसित प्रदेश से विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में इंजीनियर्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हम सभी भाग्यशाली हैं कि हमें 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' की भावना को मूर्त रूप देने का अवसर मिला है। विभाग को अधिक जनहितैषी बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। मंत्री श्री सिंह ने विभाग में नए आने वाले इंजीनियर्स को प्रेरित करते हुए कहा कि नई पीढ़ी नवाचारों के माध्यम से विभाग को और अधिक सक्षम बना सकती है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि वे हमारे युवा इंजीनियरों की नई सोच को समझें और अगर कोई सुझाव उपयोगी हो तो उसे अपनाएं।

निर्माण क्षेत्र में नवीन तकनीक व्हाइट टॉपिंग पर चर्चा के दौरान कुछ इंजीनियर ने सुझाव दिया कि व्हाइट टॉपिंग के लिए सड़कों का चुनाव करते समय परफॉर्मेंस गारंटी की सड़कों को भी सम्मिलित किया जा सकता है क्योंकि व्हाइट टॉपिंग के लिए ऐसी सड़के चाहिए जिनकी बुनियाद या क्रस्ट मजबूत हो। इस बात पर मंत्री श्री सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमारे निर्णय सही होने के साथ-साथ सही दिखने भी चाहिए। यदि तकनीकी रूप से ऐसा करना आवश्यक है तो इस आशय की सूचना सार्वजनिक रूप से जारी कर इस आवश्यकता को प्रचारित करना बेहतर होगा। मंत्री श्री सिंह ने विभाग के अधिकारियों और इंजीनियर्स को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें अपने निर्माण कार्यों के प्रति स्वामित्व का भाव रखते हुए पूरी जिम्मेदारी के साथ सामने आना चाहिए और गर्व से कहना चाहिए कि निर्माण हमने किया है। भगवान श्रीकृष्ण का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। कार्य की पूर्णता और सफलता तब होती है जब उसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया जाए।

मंत्री श्री सिंह ने सड़कों और संरचनाओं की गुणवत्ता पर जोर देते हुए कहा, जो संरचनाएं हम बनाते हैं, उन पर पीढ़ियां चलती हैं। हमें गर्व होना चाहिए कि हम ऐसा काम कर रहे हैं जो लंबे समय तक समाज के लिए उपयोगी साबित हो।

देर रात 3 बदमाश घर में घुसे, पति-पत्नी को पीटा, 2 लाख के गहने ले गए

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी के सिहावल में ग्राम बिठौली में बुधवार रात राजबहादुर पटेल के घर लूट की घटना हुई। तीन बदमाशों ने राजबहादुर और उनकी पत्नी ममता पटेल के साथ मारपीट की। इसके बाद चोर जेवर ले गए। घटना रात 4 बजे की बताई जा रही है।

घायल ममता ने कहा, मैं घर पर सो रही थी। मेरे साथ मेरे पति भी थे। अचानक घर के पीछे का दरवाजा तोड़कर तीन बदमाश अंदर घुसे और सबसे पहले मेरे चेहरे पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिसके बाद मेरे पति के ऊपर भी डंडों से हमला किया गया।

उन्हें मरणासन्न अवस्था में घर के एक कोने में फेंक दिया गया। इसके बाद एक व्यक्ति ने मेरा मोबाइल फोन चुरा लिया और मेरे कानों की बाली और मेरे पैरों की पायल और बिछिया तक काटकर ले गए। चोर 2 लाख का सामान ले गए हैं।

पड़ोसी रतिमान पटेल ने बताया, करीब 4 बजे सुबह जब तेज आवाज रोने की सुनाई दी। तब हम लोग अपने पड़ोसी राजबहादुर पटेल के घर पहुंचे। तब दोनों को घायल अवस्था में देखा और उनके घर पूरी तरह से बिखरा पड़ा था। उन्होंने बताया कि हमारे साथ तीन लोगों ने मिलकर लूटपाट की है और हमें मारपीट फेंक दिया है। इसके बाद दोनों को अस्पताल भेजा गया।

आरोपियों की पहचान की जा रही: एसपी डॉक्टर रविंद्र वर्मा ने कहा कि घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। सभी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों की पहचान हो जाएगी।

हम होंगे कामयाब पखवाड़ा लोक अधिकार केन्द्र आजीविका भवन सेमरी में मनाया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जेण्डर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिये चलाये जा रहे विशेष कार्यक्रम हम होंगे कामयाब पखवाडे के अन्तर्गत कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज के मार्गदर्शन एवं जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेन्द्र कुमार सिंह के निर्देशन तथा जिला जेण्डर नोडल युवा सलाहकार हरीराम त्रिपाठी के सहयोग से विकासखण्ड सिहावल के लोक अधिकार केन्द्र में महिला बाल विकास एवं आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वाधान में हिंसा उन्मूलन संबंधी लैंगिंक समानता, महिलाओं के हक और अधिकार विभिन्न विभागों तक महिलाओं की पहुंच बनाये जाने हेतु संवाद, शपथ एवं मेहदी रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में उजाला संकुल स्तरीय संगठन से विभिन्न ग्राम संगठनों एवं समूह सदस्य की महिलाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम में महिलाओं की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जेण्डर सीआरपी देववती विश्वकर्मा, अंजू सिंह ने अपनी बातों को सभी के समक्ष रखा। अनुसुइया वाजपेई परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास ने अपने विचारों को रखा और लोगों को समझाइस दी कि घरेलू हिंसा को कैसे रोका जा सकता है एवं समस्या आने पर महिला बाल विकास एवं लोक अधिकार केन्द्र के माध्यम से समस्या का समाधान होता है। म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ब्लाक प्रबंधक अखिलेश त्रिपाठी, विकासखण्ड जेण्डर नोडल राहुल शुक्ला सहायक विकासखण्ड प्रबंधक द्वारा बताया गया कि नई चेतना जेण्डर आधारित हिंसा के विरूद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान 3.0 के तहत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण के संदेश का प्रचार-प्रसार महिलाओं के बीच किया जाकर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में प्रभा सिंह सचिव उजाला संकुल, फूलकुमारी संकुल मैनेजर इत्यादि समूह सदस्य उपस्थित रहे।

ए.सी.सी. एक श्रमिक को एक सफल ठेकेदार बनने में सक्षम बनाता है

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। एसीसी के उत्पादों और सेवाओं ने सीधी के रहने वाले रजनीश कोरी को एक निर्माण श्रमिक से एक सफल ठेकेदार बनने में मदद की। जब उन्होंने 18 साल पहले एक श्रमिक के रूप में अपना करियर शुरू किया था, तो वे सही तकनीक सीखने और अपने काम की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अपनी साइट पर आने वाले एसीसी इंजीनियरों से प्रशिक्षण लेते रहते थे। रजनीश की प्रतिबद्धता, कड़ी मेहनत और सीखने की क्षमता को देखते हुए, जब उन्होंने ठेकेदार के रूप में काम करना शुरू किया, तो एसीसी इंजीनियरों ने उनका भरपूर समर्थन किया। अपनी साइटों पर एसीसी इंजीनियरों की देखरेख में, उनके काम की गुणवत्ता अच्छी तरह से जानी जाने लगी और उन्हें वर्षों से बड़ी परियोजनाएं मिलती रहीं।

अब, उनके पास मध्य प्रदेश के सीधी जिले में कम से कम 6 इमारतें निर्माणाधीन हैं, जहाँ उनके कर्मचारियों की टीम अत्याधुनिक एसीसी प्रमाणित प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है। वह अपनी सभी साइटों पर केवल एसीसी उत्पादों और तकनीकी सेवाओं के उच्च मानक पर भरोसा करते हैं। रजनीश कोरी की कहानी एसीसी के प्रतिष्ठित ब्रांड के लिए एक वसीयतनामा है, जो लंबे समय तक चलने वाले घरों के निर्माण के लिए सबसे समर्पित, टिकाऊ और अभिनव दृष्टिकोण अपनाता है।

एसीसी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए ठेकेदारों की दो पीढ़ियों का समर्थन करता है

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। एसीसी सतना स्थित ठेकेदारों की दो पीढ़ियों, रामअवतार विश्वकर्मा और उनके बेटे, पुरूषोत्तम विश्वकर्मा को टिकाऊ घर बनाने में सहायता कर रहा है। रामअवतार, एक कुशल कारीगर, जो अपने उच्च मानकों के लिए जाते हैं, वे हमेशा एसीसी गोल्ड वॉटर शील्ड पर अपने सभी स्थानों पर समान सामग्री का चयन करते हैं। गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए उनकी प्रतिष्ठा बढ़ी, जिससे उन्हें वफादार ग्राहक मिलने लगे। अपने पिता की विशेषज्ञता से सीखते हुए, पुरूषोत्तम विश्वकर्मा ने तकनीकी सहायता के लिए एक एसीसी इंजीनियर से संपर्क किया और उनकी साइट पर एसीसी गोल्ड वॉटर शील्ड सीमेंट का परीक्षण किया। परिणामों से प्रभावित होकर, उन्होंने न केवल इसे अपनी सभी साइटों के लिए अपनाया, बल्कि इसका उपयोग अपना घर बनाने में भी किया। आज, पुरूषोत्तम इतने सफल हैं कि हर महीने 5-6 नए प्रोजेक्ट लेने के बावजूद, उन्हें अपनी मांग और असाधारण काम को उजागर करते हुए कुछ ग्राहकों को वापस करना पड़ता है।

पुरूषोत्तम एसीसी द्वारा नियमित रूप से कई प्रशिक्षणों और तकनीकी कार्यशालाओं में भाग लेकर अपने कौशल को लगातार बनाए रखते हैं। पुरषोत्तम विश्वकर्मा की कहानी एसीसी के प्रतिष्ठित ब्रांड के लिए एक प्रमाण के रूप में खड़ी है, जो पीढ़ियों से लंबे समय तक चलने वाले घरों के निर्माण के लिए सबसे समर्पित, टिकाऊ और अभिनव दृष्टिकोण अपनाता है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत आदेश जारी

सामाजिक व धार्मिक आयोजनों के दौरान प्रबंधन एवं समुचित सुरक्षा व्यवस्था के लिए जिला दण्डाधिकारी ने जारी किया आदेश

सुरक्षा की सम्पूर्ण व्यवस्था आयोजकों द्वारा कराना अनिवार्य होगा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सचिव मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग मंत्रालय बल्लभ भवन भोपाल द्वारा पत्र 04 जुलाई 2024 के माध्यम से विभिन्न सामाजिक व धार्मिक आयोजनों के दौरान प्रबंधन एवं समुचित सुरक्षा व्यवस्था की कार्यवाही हेतु दिशा-निर्देश जारी किया गया है। उक्त पत्र के अनुपालन में विभिन्न सामाजिक व धार्मिक आयोजनों में कार्यक्रम के दौरान अव्यवस्था, भगदड़ तथा अन्य दुर्घटनाओं की स्थिति निर्मित न हो, को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश प्रसारित किया गया है।

जारी आदेशानुसार आयोजक द्वारा सामाजिक व धार्मिक आयोजनों में संभावित भगदड़ को रोकने की समुचित व्यवस्था, आगमन और निर्गम के रास्तों का सुव्यवस्थित बैरिकेटिंग एवं सुचारू रूप से भीड़ पर समुचित नियंत्रण की व्यवस्था किया जाना अनिवार्य होगा। विपरीत दिशा में लोगों के अचानक प्रवाह को रोकने एवं विपरीत दिशाओं में जाती अत्यधिक भीड़ के बीच टकराव रोकने की भी समुचित व्यवस्था करना अनिवार्य होगा। कार्यक्रम स्थल के सभी सकरे प्रवेश एवं निर्गम द्वारों को चिन्हित कर इनसे प्रवेश एवं निर्गम करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या नियत की जाकर पुलिस प्रशासन/स्थानीय निकाय को अवगत कराना अनिवार्य होगा। श्रृद्धालुओं के आने-जाने के लिए पृथक-पृथक मार्ग निर्धारित किए जाए और यथासंभव महिला-पुरुष के लिए पृथक-पृथक व्यवस्था की जाए।

यदि प्रवेश एवं निर्गम हेतु एक ही द्वार हो, तो कार्यक्रम हेतु अस्थाई द्वार बनाना अथवा किसी अन्य व्यवस्था द्वारा खतरे को कम करने का कार्य पूर्व से निर्धारित किया जाना अनिवार्य होगा। आपात स्थिति में भगदड़ रोकने हेतु आपातकालीन द्वार एवं प्रेशर रिलीज प्वाईन्ट पूर्व से ही चिन्हित कर, उसे आपात स्थिति के दौरान खोलने हेतु प्रक्रिया निर्धारित किया जाना आवश्यक होगा।

लोगों की सुरक्षा के लिए सी.सी.टी.व्ही कैमरे, लाउडस्पीकर की व्यवस्था, वॉच टावर की व्यवस्था किया जाना आवश्यक होगा। यातायात प्लान एवं जगह-जगह पर पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था किया जाना अनिवार्य होगा। यदि आयोजन स्थल के पास नदी, नाला आदि हो तो वहाँ सेवादार अथवा पुलिस बल की तैनाती के साथ नाव तथा गोताखोर की व्यवस्था रखी जाये और यदि उसे पार करने के लिए स्थाई पुल न हो तो अस्थाई पुल का निर्माण कराया जाना आवश्यक होगा। उपहार/भोजन/प्रसाद/कंबल आदि के मुफ्त वितरण के दौरान भगदड़ रोकने की व्यवस्था की जाना एवं अधिक भीड़ होने पर सामग्री के वितरण पर प्रतिबंध लगाना अनिवार्य होगा।

कार्यक्रम स्थल पर अग्निशमन यंत्रों को आयोजकों द्वारा लगाया जाना अनिवार्य होगा। आयोजन के दौरान अग्निशमन वाहनों, एम्बुलेंस आदि आपातकालीन वाहनों को व्यवस्थित रूप से रखने हेतु स्थल निर्धारित किया जाना अनिवार्य होगा। कार्यक्रम स्थल पर समुचित बिजली, शुद्ध पेय जल एवं सुलभ शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। विद्युत एवं पानी की व्यवस्था का अचानक तथा लंबे समय तक ठप्प होने की स्थिति में वैकल्पिक साधनों की व्यवस्था यथा जनरेटर, पानी के टेंकर आदि की व्यवस्था किया जाना अनिवार्य होगा। आयोजनों के होने से पूर्व आयोजकों द्वारा प्रति 500 व्यक्तियों की भीड़ पर समुचित सेवादारों का प्रबंध किया जाना आवश्यक होगा, इन सेवादारों को पुलिस प्रशासन भी अपने बल से भीड़ नियंत्रण एवं भगदड़ रोकथाम हेतु प्रभावी रूप से नियंत्रण की कार्यवाही करेगी। कतिपय अफवाह जैसे सौंप, बम आदि की अफवाह भी भगदड़ मचा सकती है। अतः इसे नियंत्रित करने हेतु आयोजकों द्वारा लाउडस्पीकर एवं ध्वनियंत्रों के माध्यम से एनाउन्स कराया जाना अनिवार्य होगा। आयोजन स्थल पर चिकित्सा सुविधा व्यवस्था रखी जाए साथ ही चिकित्सक, पैरा मेडिकल स्टाफकी ड्यूटी लगाई जाए तथा मौके पर एम्बुलेंस दवाईयों के साथ रखना अनिवार्य होगा।

उक्तानुसार सम्पूर्ण व्यवस्था आयोजकों द्वारा कराना अनिवार्य होगा। किसी भी सामाजिक व धार्मिक आयोजन के पूर्व आयोजक को संबंधित क्षेत्र के उपखण्ड दण्डाधिकारी से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। उपखण्ड दण्डाधिकारी आयोजन स्थल पर जाकर उपरोक्तानुसार आवश्यक व्यवस्था का निरीक्षण करने के उपरांत ही अनुमति प्रदान करेंगे।

संबंधित थाना प्रभारी/राजस्व अधिकारी/नगरीय व ग्रामीण निकायों के सक्षम अधिकारी को अपने-अपने कार्यालयों के सूचना पटल पर यह आदेश प्रदर्शित कर सामान्य जन एवं संबंधितों को आदेश की जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। उपरोक्त आदेश का उल्लंघन करने पर विधि अनुसार दण्डात्मक कार्यवाही किया जावेगा।

खाद वितरण केंद्र पर अचानक पहुंचे कलेक्टर और विधायक

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली में खाद की वितरण व्यवस्था देखने के लिए गुरुवार को कलेक्टर और विधायक सहित अधिकारी अचानक बैढ़न में स्थित खाद्य वितरण केंद्र में पहुंच गए। इस दौरान कलेक्टर और विधायक ने वितरण व्यवस्था देखी ने कहा है कि जिले में खाद की कोई कमी नहीं है। व्यवस्थाओं की प्रॉपर निगरानी की जा रही है।

कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने बताया कि जिले में खाद की किसी भी तरह से कोई किल्लत नहीं है हमारे पास खाद पर्याप्त उपलब्ध है। वितरण के लिए बैढ़न के कचनी में स्थित वितरण केंद्र पर पांच काउंटर खोले गए हैं ताकि किसानों को हम जल्दी से जल्दी खाद उपलब्ध करवा पाए। इसके अलावा महिलाओं के लिए अलग से वितरण काउंटर भी बना दिया गया है।

किसानों को हो रही समस्या: बैढ़न के इस खरीदी केंद्र पर दूरस्थ ग्रामीण अंचल के किसान खाद लेने के लिए पहुंच रहे हैं। किसानों ने बताया कि वह कई घंटे का सफर करके यहां खाद लेने आ रहे हैं। क्योंकि समिति पर खाद नहीं मिल पा रही है। यहां आकर हमें कतर में लगकर खाद लेनी पड़ रही है।

प्रेम प्रसंग के चलते विवाद, ममेरे भाई ने लाइसेंसी बंदूक से मारी गोली, महिला और युवक घायल

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से गोली चलने से मामी-भांजा घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार रात को प्रेम प्रसंग के चलते विवाद हुआ था। इसके बाद आज सुबह एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर गोली चला दी। महिला के हाथ और युवक के हाथ, सीने और पेट में चोट आई है। घायलों को जिला अस्पताल से झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, खजुराहो निवासी शिवहरी पिता शिवराम दुबे (22) का लार्ड होटल पन्ना रोड निवासी का अपने मामा के बेटे रिपुल दुबे के साथ प्रेम प्रसंग को लेकर विवाद चल रहा था। इस दौरान बुधवार रात को स्टेडियम में दोनों के बीच झगड़ा हुआ था।

विवाद बढ़ने पर किया फायर: इसके बाद आज सुबह 8 बजे शिवहरि दुबे अपने मामा के घर रिपुल से मारपीट करने पहुंचा। इस दौरान विवाद बढ़ गया और रिपुल ने घर में रखी लाइसेंस बंदूक से शिवहरी पर फायर कर दिए।गोली के छर्रे उसके हाथ, सीने और पेट में लगे, जिससे वह घायल हो गया। वहीं इस दौरान बीच बचाव करने आई रिपुल की मां गंगा दुबे को लगी, जिससे उसका दाहिने हाथ का पंजा कट गया।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर दिव्यांग बच्चों की प्रतिभाओं का हुआ अद्वितीय प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जिला उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 सीधी में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंशुमन राज के मार्गदर्शन में किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग और जिला शिक्षा केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और समाज में उनके अधिकारों एवं कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंशुमन राज ने कहा कि "दो दिव्यांग बच्चों को पूरे दिन अपने साथ में रखकर प्रशासनिक कार्यों से अवगत कराया जाएगा। वो क्या बनना चाहते हैं उनमें आत्मविश्वास और जागरूकता का विकास हो सकेगा।"

कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग बच्चों के लिए विविध सांस्कृतिक और खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में 100 मीटर दौड़, 50 मीटर दौड़, गोला फेंक, रंगोली, चित्रकला, मेहंदी, एकल गायन, एकल नृत्य, प्रतियोगिताएं शामिल थी। बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और समाज में अपनी क्षमता का संदेश दिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही जिला चिकित्सालय द्वारा दिव्यांगजनों मेडिकल प्रमाण पत्र भी बनाये गए।

इस आयोजन में जिले के अधिकारी डीपीसी राजेश तिवारी, उपसंचालक प्रतिनिधि सूरज सिंह और एपीसी रमसा डॉ सुजीत मिश्रा भी उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यक्रम के आयोजन में जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

सेवानिवृत्त होने पर शिक्षक का किया गया सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, जवा निप्र। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पटेहरा में सेवानिवृत्त हुए शिक्षक लालजी तिवारी का विद्यालय स्टाफ द्वारा सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया, बताया गया तिवारी ने शासकीय शिक्षक पद में 41 वर्ष 9 महीना दो दिन तक अपने के दायित्व का पूर्ण ईमानदारी के साथ निर्वाहन करते हुए सेवानिवृत्ति हुए, शिक्षक का माल्यार्पण एवं,साल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया, प्राचार्य अजरबिहारी पाण्डेय मुद्रिका प्रसाद तिवारी शिवबालक पाण्डेय दिनेश द्विवेदी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं ज्ञापित किया, इस दौरान प्रमुख रूप शिवाकांत द्विवेदी राजीव द्विवेदी शिवानंद द्विवेदी के के मिश्रा गिरिजा शंकर मिश्रा सत्येंद्र मिश्रा प्रदीप मिश्रा संतोष तिवारी अभिषेक तिवारी पिंटू विद्याधर तिवारी मंटू द्विवेदी देवेंद्र तिवारी आशुतोष तिवारी सुनील अंकित द्विवेदी सहित समस्त विद्यालय के स्टाफ एवं छात्र छात्राओं तथा अभिभावक गण उपस्थित रहे।

सिंगरौली ने मैहर को पारी और 34 रनों से हराया

बॉयज अंडर 15 अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता बनी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली में चल रही बॉयज अंडर 15 अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के आखिरी दिन सिंगरौली की टीम ने मैहर को एक पारी और 34 से हराया। रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजन में खेली जा रही इस प्रतियोगिता का तीन दिवसीय फाइनल मैच 3 से 5 दिसंबर तक सिंगरौली और मैहर के बीच रीवा के एमपीसीए ग्राउंड में खेला गया। जिसमें सिंगरौली की मैहर को पारी और 34 रनों से हराकर विजेता बनी।

मैहर ने पहली पारी में बनाए 68 रन: फाइनल मैच में बल्लेबाजी करते हुए मैहर की टीम ने पहली पारी में सिर्फ 68 ही बना सकी। जवाब में सिंगरौली ने बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 180 रन बनाकर 112 की बढ़त हासिल की। सिंगरौली के बल्लेबाज अनमोल सिंह ने 55 रन बनाए। वहीं दूसरी पारी में मैहर के बल्लेबाज महज 78 रन ही बना पाए।

सिंगरौली के गेंदबाजों से पूरे मैच में शानदार गेंदबाजी की।दोनों परियों को मिलाकर प्रमोद सिंह ने 5 विकेट, पुण्यांशु दुबे 5 विकेट और अभिनव सोनी ने 3 विकेट हासिल किए। सिंगरौली ने प्रतियोगिता के अपने पहले मैच में मऊगंज की टीम को 67 रन से हराया और दूसरे मैच में रीवा की टीम को पहले पारी के बढ़त के आधार पर हराकर फाइनल में जगह बनाई। सिंगरौली टीम के विजेता बनने में टीम कोच बीकिरण का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जिला दण्डाधिकारी ने जारी किया आदेश

अनुपयोगी एवं खुले बोरवेल तथा ट्यूबवेल में छोटे बच्चों के गिरने की दुर्घटनाओं को रोकने व नियंत्रण के लिए आदेश जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले में अनुपयोगी खुले नलकूपों एवं बोरवेल में छोटे बच्चों के गिरने संबंधी दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (1) के अंतर्गत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए अनुपयोगी एवं खुले बोरवेल तथा ट्यूबवेल में छोटे बच्चों के गिरने की दुर्घटनाओं को रोकने व नियंत्रण की कार्यवाही हेतु सम्पूर्ण सीधी जिले की सीमाओं में आगामी आदेश पर्यन्त तक आदेश पारित किया है।

जारी आदेशानुसार समस्त उपखण्ड दण्डाधिकारी द्वारा अपने क्षेत्रांतर्गत अनुपयोगी एवं खुले नलकूप बोरवेल तथा ट्यूबवेल की जानकारी एकत्रित कर उन्हें सुरक्षित रूप में बंद करने की कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित की जावे। सीधी जिले की सीमा क्षेत्रांतर्गत जिन बोरवेल का उपयोग नही किया जाता है, या जिन बोरवेल में मोटर नही डली है अथवा जिनमें बोर केप नहीं लगा हुआ है, ऐसे समस्त खुले बोर में बोर केप एवं लोहे के मजबूत ढक्कन नट बोल्टो की सहायता से मजबूती के साथ बंद किये जाने हेतु संबंधित भूमि स्वामी, किसान एवं संस्था को आदेशित किया गया है। अनुपयोगी अथवा खुले पड़े हुए बोरवेल को लोहे के मजबूत ढक्कन या केप से नट बोल्टों की सहायता से मजबूती के साथ बंद किया जावे। इसी प्रकार जिला अंतर्गत अनुपयोगी एवं खुले कुओं व बावड़ी को भी जगत बनाकर एवं जाली लगाकर सुरक्षित किया जाना सुनिश्चित करें। ग्रामीण क्षेत्रों तथा नगरीय क्षेत्रों में संबंधित क्षेत्र के कार्यपालिक दण्डाधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका/नगर पंचायत परिषद अपने-अपने क्षेत्र का भ्रमण कर उक्त व्यवस्था सुनिश्चित करवाये जाने हेतु उत्तरदायी होगे। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग भोपाल द्वारा शासन के निर्देशानुसार जिला पंचायत/जनपद पंचायतध्ग्राम पंचायत एवं नगरीय क्षेत्रों के संबंधित नगरीय निकाय द्वारा नवीन नलकूप खनन की जानकारी, नलकूप खनन मशानों का पंजीयन, नलकूप खनन करने वाले ठेकेदारों की जानकारी तथा अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों की जानकारी संधारित की जाये तथा इसकी मॉनिटरिंग किया जाना सुनिश्चित करें।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 4371/न.पा.नि./राजस्व/2024 **रीवा, दिनांक 05/12/24**

अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की योजना क्रमांक-7 यातायात नगर रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित भूखण्ड क्रमांक WS/26 क्षेत्रफल **193.50** वर्गमीटर **श्रीमती लीलावन्ती आहूजा पति स्व. श्री परमानंद आहूजा** को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, जिसका नामान्तरण श्री मनोहरलाल आहूजा पिता श्री अर्जुन दासआहूजा निवासी रानीतालाव रीवा (म.प्र.) के नाम किये जाने हेतु दिनांक 28.11.2024 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड क्रमांक WS/26 के नामांतरण में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी तत्पश्चात आवेदिका श्रीमती लीलावन्ती आहूजा पति स्व. श्री परमानंद आहूजा निवासी 133/112 आनन्द पुरी, टी पी नगर, कानपुर हालमुकाम ट्रांसपोर्ट नगर तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) के आवेदन अनुसार उक्त भूखण्ड क्रमांक WS/26 का नामांतरण श्री मनोहरलाल आहूजा पिता श्री अर्जुन दास आहूजा निवासी रानीतालाव रीवा (म.प्र.) के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)

नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

पुलिस और जेल व्यवस्था

मुख्य मुद्दा यह है कि ये समस्या पैदा ही क्यों हुई है। स्पष्टत: इसकी जड़ें आपराधिक न्याय प्रक्रिया पर अमल से जुड़ी है। प्रश्न है कि क्या पुलिस और जेल व्यवस्था में बुनियादी सुधार के बिना कोई ठोस व्यावहारिक समाधान निकल सकता है? एलान सचमुच बड़ा है। आशा है कि इसके पीछे इरादा भी नेक होगा। इसके बावजूद जिस भावना से घोषणा हुई है, उसके जमीन पर उतर सकने को लेकर कुछ सवाल मौजूद हैं। एलान यह है कि ऐसे विचाराधीन कैदियों को रिहा किया जाएगा, जो अपनी संभावित सजा का एक तिहाई हिस्सा काट चुके हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने धीमी न्याय प्रक्रिया से निपटने के लिए नई पहल की घोषणा की। उन्होंने दो-टूक कहा कि छोटे अपराधों के आरोप में बंद ऐसे कैदियों को जमानत दी जाएगी, जिन्होंने अपनी संभावित सजा का एक-तिहाई हिस्सा काट लिया है। इसके पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले वर्ष संविधान दिवस पर अपने भाषण में जेलों में बढ़ती भीड़ की ओर ध्यान खींचा था। उन्होंने न्याय की ऊंची लागत की समस्या का जिक्र करते हुए शासन की तीनों शाखाओंङ्क कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिकाङ्क से इसका समाधान खोजने की अपील की थी। बहरहाल, कुछ व्यावहारिक सवाल हैं। मुख्य मुद्दा यह है कि ये समस्या पैदा ही क्यों हुई है। स्पष्टत: इसकी जड़ें आपराधिक न्याय प्रक्रिया पर अमल से जुड़ी है। प्रश्न है कि क्या पुलिस और जेल व्यवस्था में बुनियादी सुधार के बिना कोई ठोस व्यावहारिक समाधान निकल सकता है? फिर मसले का संबंध न्यायपालिका से भी जुड़ता है। न्यायपालिका में जजों की भारी कमी और जमानत के मौजूदा धन-आधारित मॉडल का विकल्प ढूंढे बिना उपरोक्त नेक इरादे को अमली जामा पहना सकना कठिन हो सकता है। दरअसल, आधुनिक न्याय व्यवस्था में जैसाकि कहा जाता है, बेल नियम और जेल अपवाद होना चाहिए। यानी जमानत मिलना सभी मामलों में सामान्य नियम होना चाहिए। मगर कई ऐसे मामले हैं, जिनमें राजनीतिक मकसदों से व्यक्तियों पर गंभीर इल्जाम मढ़ दिए जाते हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में यह चलन ज्यादा ही बढ़ गया है।

ऐसे मामलों का क्या समाधान होगा? यानी समस्या का एक सूत्र सरकार के अपने नजरिए में भी है। कुल नतीजा जेलों में भारी भीड़ है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2024 की शुरुआत तक 1,34,799 लोग सुनवाई के इंतजार में जेलों में बंद थे, जिनमें से 11,448 पांच साल से ज्यादा समय से बिना सजा के जेल में हैं।

कांग्रेस को वास्तविकता समझनी होगी

अजीत द्विवेदी

मीर तकी मीर का शेर है, पा पा बूटा बूटा हाल हमारा जाने है, जाने न जाने गुल ही न जाने बाग तो सारा जाने है'। कांग्रेस का भी यही हाल है। उसका हाल सारी दुनिया को पता है। सारे पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक जानते हैं कि उसकी या कमी है। विपक्ष की दूसरी पार्टियां, जो उसके गठबंधन में हैं या नहीं हैं उन सबको भी पता है कि कांग्रेस की या कमजोरी है और भाजपा के शीर्ष नेता खास कर नरेंद्र मोदी और अमित शाह को तो उसकी हर नस के बारे में पता है। सिर्फ कांग्रेस है, जिसको अपने हाल की कोई खबर नहीं है। कांग्रेस नेतृत्व को अपनी कमजोरियों का पता नहीं है।

गांधी परिवार अब भी इस मुगालते में है कि उसे सिर्फ मुख्य विपक्षी पार्टी बने रहना है, बाकी सारी चीजें अपने आप हो जाएंगी। जैसे 1977 में हारे तो 1980 में सत्ता में आ गए या 1989 में हारे तो 1991 में आ गए या 1996 में हारे तो 2004 में आ गए वैसे ही 2014 में हारे हैं तो क्या हो गया अगर मुख्य विपक्षी बने रहते हैं तो फिर अपने आप सत्ता में आ जाएंगे।

कांग्रेस नेता इस बात से भी सबक नहीं ले रहे हैं कि लगातार दो चुनावों में लोकसभा में कांग्रेस को मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा भी नहीं मिला था और एक एक करके वह राज्यों में भी यह दर्जा गंवाती जा रही है। क्या किसी ने सोचा है कि कितने बड़े राज्य हैं, जिनमें देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी भी नहीं है? जिन राज्यों में वह हाल के दिनों तक सत्ता में थी वहां से भी ऐसे उखड़ी है कि अब विपक्ष में भी जगह नहीं है। दिल्ली में लगातार तीन चुनाव जीतने के बाद वह 10 साल से शून्य पर है। आंध्र प्रदेश में दो चुनाव लगातार जीतने के बाद वह 10 साल से शून्य पर है। पश्चिम बंगाल में पिछली विधानसभा में उसके 40 विधायक थे और इस बार वह शून्य पर है। लगभग एक दर्जन राज्यों में उसका एक भी विधायक नहीं है। उसने गुजरात और महाराष्ट्र में मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा गंवा दिया है। 403 विधायकों वाली उत्तर प्रदेश में उसके सिर्फ दो विधायक हैं। ये आंकड़े कांग्रेस के भविष्य की बहुत बुरी तस्वीर पेश कर रहे हैं लेकिन ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस को इसकी या तो खबर नहीं है या परवाह नहीं है। लोकसभा चुनाव में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करने के बाद हरियाणा, जम्मू कश्मीर और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव बुरी तरह से हारने के बाद कांग्रेस की बुनियादी समस्याओं को रेखांकित करने वाले सैकड़ों लेख लिखे गए हैं और हजारों नहीं, बल्कि लाखों सोशल मीडिया पोस्ट्स लिखी गई हैं। कांग्रेस के इकोसिस्टम के लोगों ने कई तरह से समझाया है कि कांग्रेस की असली समस्या क्या है और उसे कैसे दूर किया जा सकता है। पता नहीं कांग्रेस में किसी ने इनकी नोटिस ली या नहीं लेकिन कांग्रेस कार्य समिति की बैठक होने जा रही है। शुक्रवार, 29 नवंबर को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक होगी, जिसमें हरियाणा और महाराष्ट्र के नतीजों की समीक्षा होगी। पता नहीं जम्मू कश्मीर के नतीजों की समीक्षा क्यों नहीं होगी, जहां कांग्रेस की सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस की सीटें 15 से बढ़ कर 40 हो गईं और कांग्रेस की संख्या 12 से घट कर सात रह गई? कांग्रेस को निश्चित रूप से इसकी भी समीक्षा करनी चाहिए। अगर वह नहीं करती है तो इसका मतलब है कि उसका इरादा ईमानदार समीक्षा करने का नहीं है, बल्कि औपचारिकता निभाने का है।

बहरहाल, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस की जो समस्याएं उभर कर सामने आई हैं उनमें पहले नंबर पर यह है कि कांग्रेस सहयोगी पार्टियों की चिंता नहीं करती है। वह जरा सी ताकत मिलते ही धौंस दिखाने लगती है और बड़े भाई की भूमिका में आ जाती है। लगातार दो चुनाव हारने के बाद उसने लोकसभा में जरूर समझौता किया और कम सीटों पर लड़ी लेकिन प्रदर्शन सुधरते ही उसने सहयोगियों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। उसने हरियाणा में समाजवादी पार्टी की मांग ठुकराई तो आम आदमी पार्टी को अकेले लडऩे दिया। इसी तरह महाराष्ट्र में जब लोकसभा चुनाव में शिव सेना ज्यादा सीटों पर लड़ी थी और नतीजे महा विकास अघाड़ी के पक्ष में आए थे तो विधानसभा चुनाव में भी क्यों नहीं शिव सेना को ही बड़ी पार्टी के तौर पर लडऩे दिया गया? अगर शिव सेना ज्यादा सीटों पर लड़ती तो उद्धव ठाकरे के सीएम का चेहरा होने का संदेश जाता है और तब शिव सैनिक एकजुट हो सकते थे। अगर कांग्रेस ने आखिरी समय तक ज्यादा सीट की खींचतान में मामला नहीं लटकाए रखा होता तो तस्वीर कुछ और होती।

कांग्रेस की दूसरी कमी यह उभर कर आई है कि वह गंभीरता से चुनाव नहीं लड़ती है। अभी के चुनावों में उसने सिर्फ वायनाड लोकसभा का उपचुनाव गंभीरता से लड़ा और उसका नतीजा यह हुआ कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल गांधी से ज्यादा वोट से चुनाव जीता। वहां वैसे भी कांग्रेस जीत रही थी लेकिन पूरी पार्टी ने जी जान लगा दी। प्रियंका वहां डटी रहीं तो राहुल ने चार दिन सभाएं कीं। सोचें, एक लोकसभा सीट पर राहुल का चार दिन जाना और दूसरी ओर झारखंड में सिर्फ छह सभाएं करना! झारखंड में कांग्रेस जीत गई, लेकिन वह कांग्रेस की जीत नहीं है, बल्कि जेएमएम की लहर की जीत है। हेमंत सोरेन के पक्ष में सहानुभूति की लहर थी और साथ ही भाजपा के ध्रुवीकरण के एजेंडे के खिलाफ एक दूसरा ध्रुवीकरण था, जिसका फायदा कांग्रेस और राजद दोनों को मिला। लेकिन बाकी जगह ऐसा नहीं था तो महाराष्ट्र और हर राज्य के उपचुनाव में कांग्रेस की बुरी दशा हुई। वह न तो महाराष्ट्र में गंभीरता से लड़ी और न झारखंड में और न उपचुनावों में कोई गंभीरता दिखाई दी।

कांग्रेस की तीसरी कमी यह उभर कर आई है कि उसका संगठन बहुत ही कमजोर है और संगठन से जुड़े फैसले तो भयावह ही है, जैसे झारखंड में कांग्रेस ने चुनाव से तीन महीने पहले प्रदेश अध्यक्ष बदला था। यह तो एक मिसाल है लेकिन ओवरऑल कांग्रेस का संगठन बहुत लचर है।

नीचे से ऊपर तक संगठन में इक्का दुक्का लोगों को छोड़ दें तो अयोग्य, निकम्मे या भितरघात करने वाले नेता भरे हैं। कांग्रेस की राजनीतिक पूंजी का लगातार क्षरण होता जा रहा है लेकिन पार्टी के पदाधिकारियों का अहंकार कम नहीं होता है। यह हकीकत है कि जिन्हें जिम्मेदारी मिलती है वे कुछ नहीं करते हैं और जिन्हें जिम्मेदारी नहीं मिलती है वे अपनी ही पार्टी की हार पर खुशी मनाते हैं। कांग्रेस के पास प्रतिबद्ध नेताओं की कमी है। वे पार्टी हित में काम नहीं करते हैं, बल्कि अपना स्वार्थ सबसे ऊपर होता है। प्रभारी या छटंनी समिति के प्रमुख का फोकस इस बात पर नहीं होता है कि जीतने वाला उम्मीदवार चुनें, बल्कि उसे ऐसे उम्मीदवार चुनने होते हैं, जो टिकट के लिए पैसे दे सके। कांग्रेस की सहयोगी पार्टियां भी इससे परेशान रहती हैं।

कांग्रेस की चौथी कमजोरी शीर्ष नेतृत्व की निष्क्रियता है। राहुल गांधी दिन रात राजनीति में नहीं खपे रहते हैं और न कठोर फैसले करते हैं। वे चुनाव के समय सक्रिय होते हैं, जबकि राजनीति 24 घंटे का काम है। कांग्रेस नेताओं के बारे में यह आम धारणा है कि अगर राहुल गांधी सोते जागते राजनीति नहीं करेंगे और सब पर नजर नहीं रखेंगे तो कांग्रेसी सब कुछ बेच खाएंगे। ऐसी स्थिति राहुल गांधी की अनिश्चित व तदर्थ राजनीति की वजह से है। चुनाव नहीं चल रहे हों तो वे संगठन का काम करने की बजाय उसको फुरसत का समय मानते हैं। उनके साथ दूसरी मुश्किल यह है कि उनको चाहने वालों और कांग्रेस के इकोसिस्टम के लोगों ने यह धारणा बनाई है कि कांग्रेस की दुर्दशा के लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं, बल्कि उनके सलाहकार और दूसरे नेता जिम्मेदार है।

हकीकत यह है कि कांग्रेस की दुर्दशा की सारी जिम्मेदारी राहुल की है। जब तक वे खुद राजनीति नहीं करेंगे, सब पर नजर नहीं रखेंगे, सारे फैसले खुद नहीं करेंगे या प्रतिबद्ध नेताओं की पहचान कर उनको फैसले की जिम्मेदारी नहीं देंगे, सीधे जमीनी स्तर पर संपर्क नहीं बढ़ाएंगे, तब तक कुछ नहीं हो पाएगा। हो सकता है कि कांग्रेस के सारे नेता मिल कर कार्य समिति की बैठक में यह चर्चा करें कि ईवीएम की वजह से हारे हैं और इसलिए ईवीएम के खिलाफ आंदोलन चलाया जाना चाहिए। परंतु कांग्रेस को यह वास्तविकता समझनी होगी कि उसकी दुर्दशा के अगर एक सौ कारण हैं तो ईवीएम उसमें आखिरी यानी एक सौवां कारण होगा।

इच्छा शक्ति से ही नियंत्रित हो सकेगा प्रदूषण

रजनीश कपूर

हम और आप जब भी कोई वाहन ख़रीदते हैं तो हम उस वाहन की क़ीमत के साथ-साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देते हैं। इन सब टैक्स देने का मतलब हुआ कि यह सब राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रक़म क्या वास्तव में जनता पर ख़र्च होती है?

बीते कुछ सप्ताह से दिल्ली एनसीआर और उत्तर भारत को प्रदूषण के बादलों ने घेर रखा है। इससे आम जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। प्रदूषण की रोकथाम को लेकर सरकार ने कई तरह की पाबंदियाँ लगा दी हैं।

इसके चलते असमंजस की स्थिति बनी हुई है। लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि इन पाबंदियों के चलते कई रोजग़ारों पर भी असर पडऩे लगा है। निर्माण कार्य में लगे दिहाड़ी मज़दूर वर्ग इन पाबंदियों के चलते सबसे अधिक परेशान है।

तमाम टीवी चैनलों पर प्रदूषण के बिगड़ते स्तर पर काफ़ी बहस हो रही है। परंतु क्या किसी ने हमारे देश में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सही व ठोस कदम उठाने की बात की है?

क्या केवल निर्माण कार्यों और वाहनों पर प्रतिबंध से प्रदूषण के स्तर में कमी आएगी? ऐसे अनेकों कारण हैं जिन पर अगर सरकार ध्यान दे तो प्रदूषण में नियंत्रण पाया जा सकता है।

सबसे पहले बात करें वाहन प्रदूषण की। इस बात पर इसी कॉलम में कई बार लिखा जा चुका है कि एक विशेष आयु या श्रेणी के वाहन को प्रतिबंध करने से क्या प्रदूषण में कमी आएगी?

इसका उत्तर हाँ और नहीं दोनों ही है। यदि कोई वाहन, जो कि पुराने माणकों पर चल रहा है और उसके पास वैध पीयूसी प्रमाण पत्र नहीं है तो निश्चित रूप से ऐसे वाहन को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

परंतु यदि वही वाहन प्रदूषण के तय माणकों की सीमा में पाया जाता है तो उसे प्रतिबंधित करने का क्या औचित्य है?

हम और आप जब भी कोई वाहन ख़रीदते हैं तो हम उस वाहन की क़ीमत के साथ-साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देते हैं।

इन सब टैक्स देने का मतलब हुआ कि यह सब राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी।

परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रक़म क्या वास्तव में जनता पर ख़र्च होती है? क्या हमें अपनी महँगी गाडिय़ों को चलाने के लिए साफ़-सुथरी और बेहतरीन सड़कें मिलती हैं?

टूटी-फूटी सड़कों की समय-समय पर मरम्मत होती है? क्या देश भर में सड़कों की मरम्मत करने वाली एजेंसियाँ अपना काम पूरी निष्ठा से करतीं हैं? इनमें से अधिकतर सवालों के जवाब आपको नहीं में ही मिलेंगे।

टूटी-फूटी सड़कों पर वाहन अवरोधों के साथ चलने पर मजबूर होते हैं, नतीजा जगह-जगह ट्रैफ़िक जाम हो जाता है। ऐसे जाम में खड़े रहकर आप न सिर्फ़ अपना समय ज़ाया करते हैं बल्कि महँगा ईंधन भी ज़ाया करते हैं।

जितनी देर तक जाम लगा रहेगा, आपका वाहन बंपर-टू-बंपर चलेगा और बढ़ते हुए प्रदूषण की आग में घी का काम करेगा। ऐसे में जिन वाहनों को पुराना समझ कर प्रतिबंधित किया जाता है, उनसे कहीं ज़्यादा मात्रा में नये वाहनों द्वारा प्रदूषण

होता है।

इसलिए लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियों की यह ज़िम्मेदारी होनी चाहिए कि वह सड़कों को दुरुस्त रखें जिससे प्रदूषण को बढ़ावा न मिले।

इसके साथ ही ट्रैफ़िक नियंत्रण की समस्या भी एस समस्या है जिससे प्रदूषण को बढ़ावा मिलता है। मिसाल के तौर पर आपको आपके शहर में ऐसे कई चौराहे मिल जाएँगे जहां लाल-बत्ती की अवधि ज़रूरत और ट्रैफ़िक के प्रवाह के अनुसार मेल नहीं खाती।

नतीजा, ऐसे चौराहों पर ट्रैफ़िक की लंबी क़तारें। ऐसा नहीं है कि पूरा दिन ही ऐसे चौराहों पर लंबी क़तारें लगती हैं। ज़्यादातर क़तारें ट्रेफिक के पीक घंटों में लगती हैं।

यदि उस समय ट्रैफ़िक पुलिस द्वारा चुनिंदा चौराहों को नियंत्रित किया जाए तो जाम की समस्या पर आसानी से क़ाबू पाया जा सकता है। इसके लिए कुछ मामूली से ही परिवर्तन लाने की आवश्यकता है।

आज गूगल मैप पर आप घर बैठे ही हर गली नुक्कड़ का ट्रैफ़िक देख सकते हैं। यदि ्लान कर सकते हैं तो ट्रैफ़िक कंट्रोल रूम के अधिकारी, संबंधित इलाक़े के ट्रैफ़िक अधिकारी को इस समस्या के प्रति झकझोर क्यों नहीं सकते?

ट्रैफ़िक को नियंत्रित करने के जैसे, ही प्रदूषण के अन्य कारकों पर भी लगाम कसी जा सकती है। ज़रूरत है तो इच्छा शक्ति की।

यहाँ आपको याद दिलाना चाहूँगा कि 2010 में जब हमारे देश में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हुआ था तो दिल्ली में एक ऐसी व्यवस्था बनाई गई थी कि ट्रैफ़िक जाम नहीं होते थे।

जगह-जगह पर ट्रैफ़िक पुलिस के सिपाही ट्रैफ़िक पर पैनी नज़र बनाए हुए थे। यानी डंडे के ज़ोर पर व्यवस्था को नियंत्रित किया जा रहा था।

यदि एक ट्रैफ़िक की समस्या को डंडे के ज़ोर पर, किसी विशेष इंतज़ाम के लिए नियंत्रित जा सकता है तो आम दिनों में क्यों नहीं?

अब बात करें दीपावली के बाद हर वर्ष होने वाली पराली जलाए जाने की। यह बात जाग-ज़ाहिर है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान हर वर्ष इन्हीं दिनों पराली जलाते हैं।

यह समस्या हर वर्ष प्रदूषण का कारण बनती है। हर वर्ष बड़ी-बड़ी बातें और घोषणाएँ की जाती हैं लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते।

यदि कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हो या कोविड के दौरान लॉकडाउन लागू करना हो, जब इन्हें सख़्ती से लागू किया जा सकता है तो पराली को जलाने से क्यों नहीं रोका जा सकता?

ठीक उसी तरह कारख़ानों से निकलने वाले धुएँ को भी नियंत्रित करना असंभव नहीं है।

9 दिसम्बर को मुख्यमंत्री चिरमिरी दौरा प्रस्तावित

स्वास्थ्य मंत्री ने कलेक्टर सहित जिले के बड़े अधिकारियों के साथ विभिन्न स्थलों का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 09 दिसंबर 2024 को चिरमिरी में वे एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। जहां वे जिला अस्पताल सहित विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अधिकारियों के साथ अस्थाई जिला अस्पताल और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया है। इस दौरान कलेक्टर, डीएफओ, जिला सीईओ, निगम आयुक्त सहित जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की इस यात्रा का उद्देश्य चिरमिरी के विकास को बढ़ावा देना और स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। जिला अस्पताल का लोकार्पण इस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। इस कार्यक्रम की तैयारियों के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय है, और अधिकारी हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री की यात्रा सफल और सुरक्षित हो। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आगमन की तैयारियों को लेकर बड़ा बाजार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने स्वास्थ्य मंत्री को तैयारियों का विस्तृत ब्यौरा पेश किया। यह निरीक्षण मुख्यमंत्री के आगमन से पहले तैयारियों की जांच और सुनिश्चित करने के लिए किया गया था, कि सभी व्यवस्थाएं ठीक से हों। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निरीक्षण के दौरान, कलेक्टर ने उन्हें स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता, और सुरक्षा की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा, उन्होंने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लिए तैयार की गई विशेष व्यवस्थाओं की भी जानकारी दी। आज का निरीक्षण इस बात को दर्शाता है कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री के आगमन के लिए पूरी तरह से तैयार है और उनके कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अस्थाई जिला अस्पताल के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने विभिन्न वार्डों, कक्षों और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से उनका हालचाल जाना और उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। यह निरीक्षण स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए किया गया था। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का यह कदम स्वास्थ्य विभाग में सुधार और मरीजों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने पहले भी कई अस्पतालों का निरीक्षण किया है और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। चिरमिरी में जिला अस्पताल के निर्माण की मांग कई सालों से चली आ रही थी, लेकिन अब यह सपना जल्द ही हकीकत बनने वाला है। क्षेत्रीय विधायक और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों के फलस्वरूप, मुख्यमंत्री के हाथों लगभग 41 करोड़ रुपये की लागत से इस अस्पताल का लोकार्पण और भूमिपूजन होने जा रहा है। चिरमिरी के बड़ा बाजार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उन्नत करके इसे अस्थाई तौर पर जिला अस्पताल में बदला जा रहा है। जिला प्रशासन ने इसके लिए कई महीनों से कड़ी मेहनत की है और अब यह अस्पताल पार्किंग सहित सभी सुविधाओं के साथ तैयार है। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जायजा लेने के दौरान बताया कि यह अस्पताल चिरमिरी के लोगों के लिए एक बड़ा उपहार होगा और यहां के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। यह अस्पताल न केवल स्थानीय लोगों के लिए बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र होगा। चिरमिरी में जिला अस्पताल का शुभारंभ जल्द ही होने वाला है, जो क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात होगी। चिरमिरी के बड़ बाजार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उन्नत करके इसे अस्थाई तौर पर जिला अस्पताल में बदला जा रहा है, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। इसके अलावा, नगर निगम चिरमिरी क्षेत्र में 50 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी होने वाला है, जो क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का यह दौरा चिरमिरी के लोगों के लिए एक बड़ा उपहार होगा, और यह क्षेत्र के विकास को नई दिशा देगा। इस गरिमामय कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, नगरीय निकाय मंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री का भी दौरा संभावित है, जो क्षेत्र के लोगों के लिए एक और बड़ी खुशखबरी होगी। माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का चिरमिरी दौरा इस क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी, जो वर्षों से स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग कर रहा था। इस दौरान मुख्यमंत्री जिला अस्पताल के अलावा अमृत जल मिशन योजना का भी भूमिपूजन करेंगे, जो 153 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा और चिरमिरी के लिए वरदान साबित होगा। इसके साथ ही, चिरमिरी से मनेंद्रगढ़ के बीच साजा पहाड़ डबल लेन सड़क का भी दौरा कार्यक्रम शामिल है। मुख्यमंत्री के इस दौरे के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सभा स्थल सहित हेलीपैड का जायजा लिया और अधिकारियों को सुचारू व्यवस्था के लिए निर्देशित किया।

बैठक में मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जेड हॉस्टल में जिला अधिकारियों की बैठक से पहले सभा स्थल और हेलीपैड का जायजा लिया और अधिकारियों को सुचारू व्यवस्था के लिए निर्देशित किया। इस बैठक में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट, डीएफओ मनीष सिंह, जिला सीईओ, नगर निगम आयुक्त राम प्रसाद आंचला, पीडब्ल्यूडी, जल संसाधन, आबकारी, सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग, एसडीएम चिरामरी, तहसीलदार चिरमिरी सहित, सीएसपी चिरमिरी, थाना प्रभारी चिरमिरी, पूर्वमहापौर डमरू बेहरा, पूर्व मंडल अध्यक्ष, राजू नायक, बबलू शर्मा सहित बड़ी संख्या में जिले के आला अधिकारी और पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीजी आरक्षक भर्ती प्रक्रिया पर लगी रोक हटी

हाईकोर्ट ने कहा-सभी पुलिसकर्मियों के बेटी-बेटों को छूट गलत, सिर्फ शहीद और नक्सल प्रभावितों के बच्चे हकदार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में कॉन्स्टेबल भर्ती प्रक्रिया पर लगी रोक को हाईकोर्ट ने हटा दिया है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ शहीद पुलिसकर्मियों और नक्सल प्रभावित सुरक्षाकर्मियों के बच्चों को ही छूट मिलेगी। कोर्ट ने कहा है कि सभी पुलिसकर्मियों के बच्चों को छूट देना गलत है। कोर्ट ने सिर्फ उन्हीं को छूट देने के निर्देश दिए हैं जो इसके हकदार हैं।

बुधवार को जस्टिस राकेश मोहन पांडे की बेंच में मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया जारी रखने के निर्देश दिए हैं। अब फिजिकल टेस्ट के बाद भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

क्या है पूरा मामला: दरअसल, छत्तीसगढ़ में आरक्षक संवर्ग 2023-24 के लिए 5 हजार 967 पदों पर भर्ती निकली है। पुलिसकर्मियों के बच्चों को फिजिकल में छूट मिली थी। छूट देने को लेकर हाईकोर्ट में याचिका लगी थी। इस पर 26 नवंबर को हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान जस्टिस राकेश मोहन पांडेय ने कहा था कि, पुलिसकर्मियों के बच्चों को लाभ देने नियमों में बदलाव कैसे हो सकता है।

फिजिकल टेस्ट में थी छूट: दरअसल, विज्ञापन जारी होने और फॉर्म भरने के बाद डीजी पुलिस ने सचिव को पत्र लिखा। पत्र में नियुक्ति प्रक्रिया में पुलिस विभाग में कार्यरत और एक्स सर्विसमैन कर्मचारियों के बच्चों को छूट देने का जिक्र था। पत्र में सुझाव दिया गया कि, भर्ती नियम 2007 कंडिका 9(5) के तहत भर्ती प्रक्रिया के मापदंडों को शिथिल किया जा सकता है। इसमें फिजिकल टेस्ट के दौरान सीने की चौड़ाई और ऊंचाई जैसे कुल 9 पॉइंट्स में शामिल थे। अवर सचिव ने इस सुझाव को स्वीकार भी कर लिया। इससे आहत होकर याचिकाकर्ता बेदराम टंडन ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। याचिकाकर्ता के बेटे ने राजनांदगांव में कॉन्स्टेबल जनरल ड्यूटी के लिए आवेदन दिया है।

छूट देना आम नागरिकों में भेदभाव: सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया था कि, केवल अपने विभाग के कर्मचारियों को छूट देना आम नागरिकों के साथ भेदभाव है। ऐसे में इस भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। मामले में वकील की ओर से पेश किए गए दलीलों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने भर्तियों पर रोक लगा दी है।

याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि, क्योंकि नियमों को शिथिल करने का लाभ सभी पदों पर मिलता, इसलिए सभी पदों पर होने वाली भर्ती पर रोक लगा दी गई थी।

राज्य शासन की तर्क पर हाईकोर्ट की आपत्ति: राज्य शासन ने कहा था कि, 2007 में नियम बनाया गया है कि पुलिस कर्मियों के परिवार के लोगों को भर्ती में छूट का प्रावधान है। इस पर हाईकोर्ट ने आपत्ति करते हुए कहा कि, नियम के तहत डीजीपी को अधिकार दिया गया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वो मनमाना छूट देंगे।

ऐसे रूल्स बनाना पद का दुरुपयोग: हाईकोर्ट ने कहा था कि, छूट देने का नियम है इसका मतलब यह नहीं कि डीजीपी कमेटी बनाकर ऐसा करे। नियम का लाभ सभी वर्ग के लोगों को मिलना चाहिए। ऐसा नहीं है कि एसपी और टीआई के बेटे-बेटियों को ही भर्ती में प्राथमिकता दी जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि पुलिस अपने फायदे के लिए रूल बना लें, यह पद का दुरुपयोग है।

गैंती-गैंग ने 25 घरों से की सवा करोड़ की चोरी

बिना रेकी घरों में घुसते, बिलासपुर-मुंगेली के चोर गैंती से तोड़ते थे ताला

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में पिछले 7 महीनों में करीब 25 घरों में सवा करोड़ रुपए की चोरी हुई है। मामले में पुलिस ने 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 3 चोर, 3 ज्वेलर्स के अलावा 5 व्यक्ति चोरी के माल को खपाने के लिए मीडिएटर थे। बिलासपुर-मुंगेली के लड़कों ने गैंती-गैंग बनाया था। बिना रेकी सुनसान घरों में चोरी करते थे। गैंती से ही ताला तोड़ते थे। रायपुर आईजी अमरेश मिश्रा और एसएसपी संतोष सिंह के निर्देश पर क्राइम एएसपी और डीएसपी ने शातिर चोरों को पकड़ने के लिए एक टीम का गठन किया। जिसमें उन पुलिसवालों को शामिल किया गया, जो चोरी के अलग-अलग वारदातों से एक खास पैटर्न खोज निकालने में माहिर हैं।

एंटी क्राइम यूनिट की पुलिस टीम ने मार्च 2024 से सितम्बर 2024 में यानी 7 महीनों में रायपुर के मुजगहन, विधानसभा, तिल्दा नेवरा और मंदिर हसौद जैसे आउटर थानों में हुई चोरी की वारदातों की जांच शुरू की। इन इलाकों के आवासीय कॉलोनी में सिलसिलेवार तरीके से 25 घरों में चोरी हुई थी।

सभी घरों में लाल गैंती (कुदारी) से ताला टूटा: पुलिस की जांच पड़ताल में सामने आया कि, घरों में जो ताले तोड़े गए उनमें लाल रंग के पेंट के निशान थे। जो तोड़ते समय ताले में चिपक गए थे। पुलिस को शक हुआ कि सभी चोरी किसी एक गैंग ने ही की है। वारदात वाली जगह के आसपास के सीसीटीवी फुटेज में एक आरोपी भी नजर आया। उसने हाथ में गैंती पकड़ा था। चेहरा दिखने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई।

रायपुर में लिया था किराए का घर: पुलिस को तकनीकी एनालिसिस और सीसीटीवी के आधार पर पता चला कि, आरोपियों ने रायपुर में एक किराए के घर पर अपना ठिकाना बना रखा है। फिर पुलिस ने रेड मारकर बिलासपुर निवासी सृजन शर्मा को अरेस्ट किया। सृजन एक शातिर चोर और इस गैंग का मास्टरमाइंड है। उस पर एक दर्जन से ज्यादा चोरी के मामले हैं। वो जेल भी जा चुका है। उसने मध्यप्रदेश और ओडिशा के चोर गैंग की तरह छत्तीसगढ़ के ही लोकल अपराधी किस्म के लड़कों को इकट्ठे कर खुद का गिरोह बनाया। वो मुंगेली निवासी शफीक मोहम्मद और उमेश उपाध्याय के साथ घरों में घुसता था। उसने दोनों को ताला तोड़ने और चालाकी से चोरी करने की ट्रेनिंग भी दी थी। पुलिस ने शफीक और उमेश को भी अलग-अलग ठिकानों से गिरफ्तार किया है।

आरोपियों ने बताया घर चुनने का पैटर्न: पुलिस ने जब आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की। तो पता चला कि आरोपियों ने 25 घरों में चोरी करने से पहले कहीं पर भी रेकी नहीं की थी। तीनों आरोपी आउटर के कॉलोनियों में बाइक से पहुंचते थे।

गाड़ी दूर में खड़ी कर गैंती लेकर एक-एक घर को छानने थे। जिन घरों पर ताला लटका होता था, वहां गैंती से ताला तोड़कर अंदर घुसते थे।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं के जीवन में आई नई रोशनी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव ला रही है, और इसका सीधा असर उनके आर्थिक सशक्तिकरण पर हो रहा है। इस योजना के तहत, महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये की राशि मिल रही है, जो उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा, सेहत और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करती है। मनेन्द्रगढ़ की अनीता सोनकर ने इस योजना को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं के लिए एक बड़ा कदम है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद कर रही है। अनीता ने बताया कि वह इस राशि का उपयोग अपनी बच्ची के स्वास्थ्य का ध्यान रखने और उसकी जरूरी चीजें खरीदने में करती हैं, जिससे उसकी सेहत बेहतर रहे और वह बीमारियों से बचे।

धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों को मिल रहा नई सुविधा, माइक्रो एटीएम से कर रहे है नगद निकासी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की प्रभावी व्यवस्था कर किसानों के लिए धान बेचना और धन निकालना बेहद आसान बना दिया है। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों के तहत राज्य के किसानों को प्रति क्विंटल धान का सर्वाधिक मूल्य मिल रहा है। छत्तीसगढ़ देश का इकलौता ऐसा राज्य है, जहां किसानों को एक क्विंटल धान का 3100 रुपए मूल्य मिल रहा है। धान बेचने के तुरंत बाद उपार्जन केंद्रों और समितियों में माइक्रो एटीएम के जरिए पैसा निकालने की सुविधा ने किसानों की खुशियां दोगुनी कर दी हैं। जिले में 14 समितियों में माइक्रो एटीएम से पैसा वितरण का कार्य शुरू हो चुका है। धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए सरकार ने कई प्रबंध किए हैं, जिनमें माइक्रो एटीएम की सुविधा शामिल है।

माइक्रो एटीएम के जरिए किसान खरीदी केंद्र पर ही 10 हजार रुपए तक नगद निकाल सकते हैं। इस सुविधा से किसान बेहद प्रसन्न हैं। उदाहरण के तौर पर ग्राम लालपुर के किसान शिवनारायण सिंह ने चैनपुर धान खरीदी केंद्र में 120 क्विंटल धान बेचा और माइक्रो एटीएम से 4 हजार रुपए नगद निकाला।

चरित्र शंका में पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला

लाश साइकिल पर रखकर कोरबा के डैम पहुंचा, फिर पत्थर बांधकर डुबाया, गुमशुदगी भी दर्ज कराई

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा में चरित्र शंका को लेकर पति ने पत्नी को डंडे से पीट-पीटकर मार डाला। फिर शव को साइकिल से बांधकर नकटी बांध में फेंक दिया। इसके बाद आरोपी ने पत्नी की गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस को पति पर शक हुआ तो सख्ती से पूछताछ की गई। इस दौरान आरोपी ने पत्नी की हत्या करना कबूल किया। मामला पाली थाना क्षेत्र के धौराभांठा गांव का है।

डंडे से पीट-पीटकर की हत्या: पति उमाशंकर (41) और पत्नी ईश्वरी कुमारी (39) के बीच 30 नवंबर को चरित्र शंका को लेकर विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि उमाशंकर ने ईश्वरी को डंडे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया।

साइकिल में शव को बांधकर ले गया: इसके बाद आरोपी ने देर रात साइकिल में शव को रस्सी से बांधकर गांव से लगे नकटी बांध लेकर गया, जहां लाश पर पत्थर बांधकर पानी में फेंक दिया। इसके बाद आरोपी ने पत्नी के कहीं चले जाने की बात अपनी सास और आसपास के लोगों को कहीं। उमाशंकर अपनी सास के साथ पाली थाना पहुंचा। जहां ईश्वर की गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला की खोजबीन शुरू की। उमाशंकर से पूछताछ किए जाने पर वह गोल-मोल जवाब देने लगा।

एसडीआरएफ की टीम ने बांध से निकाली लाश: पुलिस को उस पर शक हुआ तो कड़ाई से पूछताछ की गई। इस दौरान उसने पत्नी की हत्या की बात कबूल की। पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाकर शव को कड़ी मशक्कत के बाद बांध से बाहर निकाला।

चरित्र शंका को लेकर अक्सर होता था विवाद: एएसपी यूबीएस चौहान ने बताया कि चरित्र शंका को लेकर अक्सर दोनों के बीच विवाद हुआ करता था, जिसके चलते आरोपी ने पत्नी की हत्या की। आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दोनों का 11 साल का बच्चा: बताया जा रहा है कि दोनों की शादी 12 साल पहले हुई थी। दोनों का एक 11 साल का बच्चा है, जो इनके साथ नहीं रहता है। दोनों ने बच्चे को किसी को दे दिया था।

मिशन अस्पताल भवन जर्जर घोषित

जिला प्रशासन ने बिना अनुमति प्रवेश पर लगाया प्रतिबंध, जोखिम और जनहानि की आशंका

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर के मिशन अस्पताल परिसर को जिला प्रशासन ने कब्जे में ले लिया है। जिसके बाद भवन की बदहाली को देखते हुए अब इसे जर्जर घोषित कर दिया है। प्रशासन ने जनहानि की आशंका को देखते हुए भवन के अंदर बिना अनुमति प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। बुधवार को निगम प्रशासन ने भवन में नोटिस चस्पा किया है।

अफसरों का कहना है कि, मिशन अस्पताल का भवन काफी पुराना है। जिसकी अवधि भी लगभग पूरी हो चुकी है। देखरेख के अभाव में भवन जीर्ण शीर्ण अवस्था में है। प्रशासन द्वारा भवन की तकनीकी और वर्तमान स्थिति की जानकारी लेने के लिए नगर निगम को पत्र लिखा था। जिसके बाद निगम कमिश्नर अमित कुमार ने पांच सदस्यीय तकनीकी और प्रशासनिक टीम का गठन करते हुए जांच के निर्देश दिए थे।

टेक्निकल टीम ने की जांच, भवन को बताया जर्जर: निगम की टीम में मुख्य अभियंता, कार्यपालन अभियंता, भवन अधिकारी, जोन कमिश्नर और पटवारी शामिल थे। जांच दल ने भवन का निरीक्षण किया और तकनीकी पहलुओं की बारिकी से जांच की। साथ ही तकनीकी टेस्ट भी किए गए। इसके बाद जांच दल ने भवन के गिर जाने जैसे जोखिम होने की रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट के आधार पर निगम कमिश्नर ने जनहानि की आशंका को देखते हुए भवन में प्रवेश या रहने पर प्रतिबंध लगाया है।

प्रशासन का कब्जा फिर भी चल रहा अस्पताल: जिला प्रशासन ने अस्पताल परिसर को अपने कब्जे में ले लिया है। लेकिन, इसके बाद यहां मिशन अस्पताल पहले की तरह संचालित हो रहा है। अस्पताल में डॉक्टर भी अपने चैंबर में बैठ रहे हैं और बकायदा ओपीडी भी लगाई जा रही है। प्रशासन को भी जानकारी है। लोगों ने इसकी शिकायत भी की थी। लेकिन, इसके बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा था। परिसर में मेडिकल स्टोर भी पहले की तरह संचालित हो रहा है। जहां लोग भी दवाई लेने के लिए पहुंचते हैं। दरअसल, डॉक्टर प्रिस्क्रिप्शन में जो दवाइयां लिखते हैं, वो इसी मेडिकल स्टोर में ही मिलती है।

किराए पर दिया गया है परिसर के मकान: जिला प्रशासन के कब्जे में लेने के बाद भी परिसर में अभी भी लोग किराए पर रह रहे हैं। प्रशासन ने उन्हें हटाने के लिए अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में कब्जाधारी अब भी काबिज है। इसके साथ ही मुख्य अस्पताल के पीछे एक लाल रंग की बिल्डिंग है।

जहां नर्सिंग कॉलेज का ऑफिस भी खोला गया था। विधायक निधि से जनरेटर, एसी और दूसरी व्यवस्थाएं की गई थीं। लीज निरस्त होने के बाद जिला प्रशासन ने इसे अपने कब्जे में ले लिया है। लेकिन, भौतिक रूप से अभी भी लोगों का कब्जा है।

पड़ोसी के साथ शराब पीने को लेकर विवाद में हत्या

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में धान मिंजाई के बाद पार्टी को लेकर हुए विवाद में व्यक्ति की हत्या हो गई। दरअसल, मृतक की पत्नी काम के बाद शाम को पड़ोसी के घर शराब पीने गई थी। इससे आक्रोशित पति पड़ोसी के घर पहुंचा, उसने देखा कि दोनों साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इस दौरान पति पड़ोसी के साथ विवाद करने लगा। आरोपी पड़ोसी ने महिला के पति को बुरी तरह से पीट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मामला उरंदाबेड़ा थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

घर नहीं लौटी तो पड़ोसी के घर पहुंचा: जानकारी के मुताबिक 3 दिसंबर की रात 9.30 बजे लगभग मृतक मंशाराम नेताम की पत्नी सगनी बाई नेताम पड़ोसी सगाराम मंडावी के घर धान मिंजाई के बाद पार्टी मनाने गई थी। देर रात तक अपने घर नहीं लौटी तो पति मंशाराम उसे लेने सगाराम मंडावी के घर गया।

मुख्यमंत्री के चिरमिरी प्रवास पर प्राशासनिक व्यवस्था के लिए कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के नगर निगम चिरमिरी में 9 दिसम्बर 2024 को माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन का प्रवास प्रस्तावित है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के सफल संचालन और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाते हुए आदेश जारी किया है। जिसमें अधिकारी का नाम, पदनाम और सौंपे गए दायित्व का विवरण इस प्रकार है, मंच एवं पंडाल की सम्पूर्ण व्यवस्था लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता सरद कुमार सतपथी को सौंपी गई है। सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस विभाग के पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह (मा.पु.से.) को दी गई है। बांस बल्ली की व्यवस्था वन विभाग कोरिया की प्रभारी अधिकारी प्रभाकर खलखो के अधीन रहेगी।

कार्यक्रम स्थल और स्वागत द्वार पर कटआउट और फ्लेक्स/बैनर लगवाने का कार्य आदिवासी विकास विभाग की सहायक आयुक्त अंकिता मरकाम को सौंपा गया है।वहीं आमसभा स्थल और सर्किट हाउस में विद्युत और जनरेटर की व्यवस्था विद्युत विभाग और लोक निर्माण विभाग मनेन्द्रगढ़ के कार्यपालन अभियंता एन.पी. सिंह की देखरेख में होगी। नाचा दल और कला जत्था की जिम्मेदारी सहायक आयुक्त अंकिता मरकाम को दी गई है। पानी टैंकर और चलित सुलभ शौचालय की व्यवस्था नगरीय प्रशासन विभाग के आयुक्त रामप्रसाद आंचला और डीआरडीए स्वस्थ भारत मिशन एमसीबी के समन्वयक राजेश जैन करेंगे।

इसके साथ ही आमसभा स्थल के हर सेक्टर में पानी की व्यवस्था लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मनेन्द्रगढ़ के कार्यपालन अभियंता एस.एस. पैकरा की जिम्मेदारी होगी। मंच, जिला अस्पताल और सभा स्थल की साज-सज्जा और माला, बुके की व्यवस्था उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक विनय त्रिपाठी द्वारा की जाएगी। मंच के सामने रंगोली बनाने की जिम्मेदारी महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला अधिकारी शुभम बंसल को दी गई है। वहीं आमसभा स्थल पर चिकित्सकीय सुविधा, ओआरएस पाउच, दवाइयां और एम्बुलेंस की व्यवस्था मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अविनाश खरे की निगरानी में होगी। हितग्राहियों के लिए भोजन की व्यवस्था खाद्य विभाग के जतिन देवांगन करेंगे। ग्रीन रूम और वीवीआईपी अतिथियों के लिए जलपान की व्यवस्था खनिज विभाग के दयानंद तिग्गा द्वारा की जाएगी। व्हीआईपी वाहन व्यवस्था जिला सत्कार अधिकारी विजयेन्द्र सारथी संभालेंगे। साथ ही मंच और आमसभा स्थल पर आवश्यक व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, और परिवहन विभाग के कार्य परिवहन अधिकारी अनिल भगत की जिम्मेदारी में होंगे।

मंच संचालन का कार्य वीरांगना श्रीवास्तव, प्रधान पाठक, म. शा. झगराखांड द्वारा किया जाएगा। आमसभा स्थल की सफाई, टॉयलेट, और अन्य व्यवस्थाएं नगर निगम चिरमिरी के आयुक्त रामप्रसाद आंचला और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एस.एस. पैकरा की देखरेख में की जाएंगी। वहीं लोकार्पण और शिलान्यास के पत्थरों को सुव्यवस्थित लगाने की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग के सरद कुमार सतपथी और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अधिकारी अनिल मिश्रा को सौंपी गई है।लोकार्पण और शिलान्यास स्थल की व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारी राजस्व विभाग के विजयेन्द्र सारथी होंगे। पॉयलट व्यवस्था आबकारी विभाग की शशिकला पैंकरा संभालेंगी। फायर ब्रिगेड व्यवस्था जिला सेनानी विभाग के संजय गुप्ता की जिम्मेदारी होगी। इसके साथ ही वीआईपी भोजन व्यवस्था वन विभाग के मनीष कश्यप और आमंत्रण पत्र की मुद्रण व वितरण कार्य जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एन.सी. सिंह द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।

सभी संबंधित अधिकारी अपने सौंपे गए कार्यों का पालन करेंगे और की गई कार्रवाई की जानकारी अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार को तत्काल देने के लिए निर्देश किया है ।

हैदराबाद में फिल्म पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद में अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें 1 महिला की मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात को संध्या थिएटर में फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए अल्लू अर्जुन आए थे। थिएटर के बाहर आरटीसी एक्स रोड पर इकट्ठा हुए फैंस अल्लू अर्जुन से मिलना चाहते थे। इसी दौरान अचानक भगदड़ मच गई। धक्का-मुक्की के कारण कई लोग एक-दूसरे पर गिर गए। कुछ लोग घायल भी हुए। स्थिति को कंट्रोल में लाने के लिए पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया। भीड़ कम होने के बाद पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती किया। डॉक्टर ने 1 महिला को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मृतक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। 3 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें अल्लू अर्जुन के फैंस को बेहोशी के हालात में देखा गया। पुलिस ने उन्हें होश में लाने की कोशिश की।

हेमंत सोरेन कैबिनेट में 5 मंत्री रिपीट

रांची (एजेंसी)। हेमंत सोरेन के सीएम पद की शपथ लेने के 6 दिन बाद गुरुवार को राजभवन के अशोक उद्यान में 11 मंत्रियों ने शपथ ली। राज्यपाल संतोष गंगवार ने शपथ दिलाई। नई सरकार में 5 मंत्रियों को रिपीट किया गया है। जबकि, छ्रूरू और कांग्रेस ने अपने 50त्न मंत्रियों को बदला है। खास बात है कि राज्य गठन के बाद पहली बार फारवर्ड कोटे से मंत्री नहीं बनाया गया है। इससे पहले एक या दो मंत्री हमेशा फारवर्ड कोटे से बनते रहे हैं। पिछली बार गढ़वा से चुनाव जीते मिथिलेश ठाकुर ब्राह्मण चेहरे के तौर पर मंत्री बने थे। इस बार वह चुनाव हार गए हैं। इसके बाद जेएमएम ब्लॉक ने फारवर्ड कोटे को खत्म कर दिया है। जानकार मानते हैं कि फारवर्ड भाजपा के परंपरागत वोटर हैं। इस वजह से भी हेमंत सोरेन सरकार ने महत्व नहीं दिया। हालांकि, इस कोटे से मंत्री पद की रेस में चुन्ना सिंह और अनंत देव प्रताप का नाम चर्चा में था। मंत्रिमंडल में झारखंड मुक्ति मोर्चा से 6, कांग्रेस से 4 और राजद से एक विधायक मंत्री बने हैं। छ्रूरूके हफीजुल हसन ने उर्दू में शपथ ली। बाकी 10 मंत्रियों ने हिंदी में शपथ ली। हेमंत सोरेन ने 28 नवंबर को अकेले ही मोरहाबादी मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। जेएमएम ने नई कैबिनेट में तीन मंत्रियों को रिपीट किया है। चाईबासा से विधायक दीपक बिरुवा, घाटशिला से विधायक रामदास सोरेन और मधुपुर से विधायक हफीजुल हसन अंसारी इस बार भी मंत्री बने हैं। तीनों हेमंत सोरेन की पिछली सरकार में मंत्री थे।

बूंद-बूंद जल बचाने का अभियान प्रशंसनीय-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्षा जल को संग्रहित कर भूगर्भ में जल भंडारण क्षमता के विकास के लिए चलाई जा रही 'कर्मभूमि से जन्मभूमि' योजना एक अभिनव पहल है। इस योजना में गुजरात में रहकर व्यापार करने वाले अन्य प्रदेशों के व्यापारियों द्वारा स्वयं के संसाधनों से अपने राज्यों में बोर लगवाने का काम किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के सतना जिले में इस योजनान्तर्गत कार्य आरम्भ हो गया है। प्रसन्नता की बात है कि योजना में पूरे प्रदेश में 15 हजार बोर लगाने का लक्ष्य है। शासकीय संसाधनों के बिना गुजरात व्यापार करने वाले व्यापारियों की भागीदारी से चल रहा बूंद-बूंद जल बचाने का यह अभियान प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को श्रम शक्ति भवन नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल और राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के साथ 'कर्मभूमि से जन्मभूमि' कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन पर त्रिपक्षीय बैठक की।

योजना के क्रियान्वयन के लिये बैठक में जिला कलेक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त करने, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से योजना को पूरा करने और इसके क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं को दूर करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री पाटिल

ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जलसंचय संकल्प को जन-आंदोलन बनाने के क्रम में 'कर्मभूमि से जन्मभूमि' कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। इसमें गुजरात में रह रहे मध्यप्रदेश, राजस्थान और बिहार के व्यवसायी अपनी जन्म भूमि में जल संचय के उद्देश्य से बोर की व्यवस्था कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इसमें राजस्थान में एक लाख 60 हजार और मध्यप्रदेश में 15 हजार बोर बनवाए जाने है। बिहार राज्य के 10 जिलों में प्रत्येक गांव में 4 बोर बनवाए जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने राज्यों के सहयोग से इस योजना के सफल क्रियान्वयन की आशा व्यक्त की। राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर सूरत के व्यापारियों द्वारा शुरू की गई यह योजना राजस्थान के सिरोही और जोधपुर जिलों में प्रारंभ हो चुकी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राजस्थान राज्य में वाटर रिचार्ज में सहयोग के लिए यह योजना वरदान साबित होगी।

संसद सत्र- निशिकांत बोले-विपक्ष सरकार गिराने की कोशिश कर रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र का गुरुवार को 8वां दिन था। इस दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बीच तीखी बहस हुई। निशिकांत दुबे ने आरोप लगाए कि विपक्ष सरकार गिराने की लगातार कोशिशें कर रहा है। निशिकांत ने राहुल गांधी से पूछा कि क्या आप खालिस्तान समर्थकों और कश्मीर का विभाजन चाहने वालों से नहीं मिले?

निशिकांत ने ये भी बताया कि विपक्षी नेताओं का एक धड़ा पीएम नरेंद्र मोदी की अगुआई में देश को मिली तरक्की को गलत साबित करना चाहता है। एक संस्था मीडियापार्ट ने एक रिपोर्ट में बताया कि ओसीसीआरपी संगठन का यह काम है कि कैसे संसद की कार्यवाही को रोका जाए।

फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र चुनाव रिजल्ट के 13 दिन बाद नई सरकार बन गई है। देवेंद्र फडणवीस ने 10 साल में तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। ऐसा करने वाले वह भाजपा के पहले नेता हैं। शपथ के बाद वे पीएम मोदी के पास गए और अभिनंदन किया। फडणवीस के बाद पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। शपथ से पहले उन्होंने बालासाहेब ठाकरे और आनंद दिघे का नाम लिया। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को धन्यवाद दिया। वे राज्य के दूसरे नेता हैं जो सीएम के बाद डिप्टी सीएम बने। शिंदे के बाद एनसीपी नेता अजित पवार ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। वह छठी बार राज्य के डिप्टी सीएम बने हैं। वह महायुति और महाविकास अघाड़ी दोनों गठबंधन की सरकार में डिप्टी सीएम रहने वाले महाराष्ट्र के पहले नेता बन गए हैं। शपथ के आधे घंटे बाद फडणवीस, शिंदे और अजित मंत्रालय पहुंच गए। पहली कैबिनेट मीटिंग

शुरू हो गई है। देवेंद्र फडनवीस ने शपथ के बाद पुणे के मरीज चंद्रकांत शंकर कुरहाडे को इलाज के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष से 5 लाख रुपए की सहायता देने के लिए दस्तखत किए। शपथ समारोह मुंबई के आजाद मैदान में शाम 5ः31 बजे शुरू हुआ, जो करीब 30 मिनट तक चला।

केबल चोरी होने से ब्लू लाइन की सेवाएं प्रभावित

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो की 'ब्लू लाइन' पर मोती नगर और कीर्ति नगर स्टेशन के बीच 'केबल' चोरी होने के कारण गुरुवार को सेवाएं प्रभावित रहीं। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने कहा कि प्रभावित खंड पर पूरे दिन मेट्रो का परिचालन धीमी गति से होगा और सेवाओं में कुछ देरी होगी। उन्होंने कहा कि मोती नगर और कीर्ति नगर स्टेशन के बीच 'सिग्नलिंग केबल' की चोरी और लाइन को क्षति पहुंचाने का मामला सामना आने के बाद 'ब्लू लाइन' पर सुबह से मेट्रो सेवाओं को नियंत्रित कर दिया गया। डीएमआरसी ने कहा कि मोती नगर और कीर्ति नगर के बीच 'ब्लू लाइन' पर केबल चोरी से उत्पन्न हुई समस्या से रात में परिचालन समय समाप्त होने के बाद ही निपटा जाएगा और दिन

में प्रभावित खंड पर मेट्रो सीमित गति से चलेंगी, जिससे सेवाओं में कुछ देरी होगी। हालांकि 'ब्लू लाइन' के अन्य हिस्सों में सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं। मेट्रो की 'ब्लू लाइन' द्वारका को वैशाली और नोएडा सिटी सेंटर से जोड़ती है।

नोएडा में धरने पर बैठे 34 किसान गिरफ्तार

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में पंचायत से पहले पुलिस ने 34 किसानों को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार देर रात पुलिस ने जीरो पॉइंट पर धरने के लिए बैठे किसानों को भी हटा दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से किसानों में आक्रोश है। दरअसल, बुधवार शाम को छ्रूयोगी ने कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अराजकता कहीं भी बर्दाश्त नहीं होगी। चाहे वो संभल हो या ग्रेटर नोएडा। इसके बाद आनन-फानन में पुलिस ने एक्शन लिया।

2 दिसंबर को संयुक्त किसान मोर्चा के 10 संगठनों ने अपनी 4 मांगों को लेकर दिल्ली कूच का ऐलान किया था। अफसरों के आश्वासन के बाद किसानों ने 7 दिन का समय दिया और नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल पर आंदोलन को शिफ्ट कर दिया। इसके बाद पुलिस ने दलित

प्रेरणा स्थल आने वाले किसानों को रोक दिया। इसके साथ ही 8 किसान नेता समेत 123 किसानों को गिरफ्तार कर लिया।

4 दिसंबर को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) किसानों को छुड़ाने के लिए महापंचायत बुलाई।

प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में आज प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 की कानूनी मान्यता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आज सुनवाई नहीं हुई। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस मनमोहन की तीन जजों की बेंच मामले की सुनवाई से पहले ही उठ गई। हिंदू पक्ष ने 1991 में बने इस कानून को चुनौती दी है। कानून के मुताबिक, 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। इस मामले में अब तक कुल छह याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई हैं। सुप्रीम कोर्ट में आज इन सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई होगी। याचिकाकर्ताओं में हिंदू पक्ष की तरफ से विश्वभद्र पुजारी पुरोहित महासंघ, सुब्रह्मण्यन स्वामी और अश्विनी उपाध्याय शामिल हैं।

मर्यादाओं को ताक पर रखकर मोदी कर रहे हैं अडानी का बचाव : प्रियंका

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को कहा कि इंडिया समूह के नेता संसद में अडानी भ्रष्टाचार मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मर्यादाओं को तार-तार करके इस उद्योगपति का बचाव कर रहे हैं। संसद भवन परिसर में इस मुद्दे पर इंडिया समूह के सांसदों ने प्रदर्शन किया और इस दौरान श्रीमती वाड्रा ने कहा कि श्री मोदी भ्रष्टाचार का बचाव कर रहे हैं। इसी दौरान कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि शून्यकाल में भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के निशिकांत दूबे ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वायनाड से सांसद श्रीमती वाड्रा के साथ-साथ पूरी कांग्रेस पार्टी के खिलाफ बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन के खिलाफ मानहानि मामला बंद

नयी दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन के खिलाफ दायर मानहानि के 2020 के एक मामले में उनकी ओर से माफी मांगे जाने के बाद गुरुवार को मामला बंद करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता श्री मुरुगन की माफी को रिकॉर्ड में लेने के बाद उन्हें राहत देने वाला आदेश पारित किया। पीठ के समक्ष श्री मुरुगन के अधिवक्ता ने कहा कि उनका किसी भी तरह से प्रतिवादियों (चेन्नई स्थित मुरासोली ट्रस्ट) की प्रतिष्ठा को ठेस या नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। मुरासोली ट्रस्ट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा और एन आर एलंगो ने भी शीर्ष अदालत के समक्ष कहा कि वे इस मामले में आगे मुकदमा नहीं चलाएंगे। इस प्रकार अदालत ने भाजपा नेता की ओर से मानहानि की कार्यवाही को रद्द करने की अपील पर आगे की कार्यवाही रोकने का आदेश पारित किया। पीठ ने ट्रस्ट द्वारा केंद्रीय राज्यमंत्री पर दिखाई गई उदारता की सराहना भी रिकॉर्ड में दर्ज की। यह मामला चेन्नई में ट्रस्ट के कब्जे वाली जमीन पर की गई श्री मुरुगन की टिप्पणियों पर दर्ज किया गया था।

श्री मुरुगन ने दिसंबर 2020 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कथित तौर पर एक अपमानजनक बयान दिया था, जिसके बाद मुरासोली ट्रस्ट ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने भाजपा के तमिलनाडु राज्य प्रमुख के रूप में यह टिप्पणी की थी।

दिल्ली में प्रदूषण, सुप्रीम कोर्ट पाबंदियों पर ढील देने को राजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदूषण को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इसमें कोर्ट दिल्ली में जीआरएपी पाबंदियों में ढील देने को राजी हो गया है। हालांकि कोर्ट ने कहा है कि पाबंदियां एक्यूआर 2 से नीचे नहीं जानी चाहिए।

दरअसल, कमेटी फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने बताया कि दिल्ली की हवा में प्रदूषण कम हुआ है। इसलिए अब हमें जीआरएपी की पाबंदियां कम करने की जरूरत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि आगे और मॉनिटरिंग की जरूरत है। अभी हम कमीशन को ग्रैप 2 लागू करने की इजाजत देते हैं। बेहतर होगा कि कमीशन ग्रैप 3 की भी कुछ जरूरी पाबंदियों को लगाए रखें। साथ ही अगर कभी भी एक्यूआर 350 के पार जाता है तो तुरंत ग्रैप 3 की पाबंदियां लगाई जाएं। ऐसे ही 400 पार जाने पर ग्रैप 4 की पाबंदियां फिर से लगाई जाएंगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक्यूआर 4 की पाबंदियां लागू रहने के दौरान मजदूरों को दिए गए हर्जाने को लेकर चार राज्यों से जानकारी ली।

संभल-बांग्लादेश हिंसा का डीएनए एक: योगी

लखनऊ (एजेंसी)। राम कथा पार्क में रामायण मेले के उद्घाटन के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि याद कीजिए 500 साल पहले बाबर के आदमी ने अयोध्या कुंभ में क्या किया था। संभल में भी वही हुआ और बांग्लादेश में भी वही हो रहा है। तीनों का स्वभाव और उनका डीएनए एक ही है। अगर कोई मानता है कि बांग्लादेश में ऐसा हो रहा है, तो वही तत्व यहां भी इस बारे में बात करने वाले ऐसे हैं, जिनके पास विदेश में संपत्ति है भाग जायेंगे और दूसरों को यहां मरने के लिए छोड़ देंगे। आदित्यनाथ ने कहा कि एक बार फिर अयोध्या आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से वैश्विक शहर के रूप में नई पहचान के साथ आगे बढ़ रही है। याद रखें कि पीएम के प्रयासों से इस साल जनवरी में कैसे नरेंद्र मोदी, भगवान राम पांच सौ साल बाद फिर से मंदिर में

विराजमान हुए हैं, जो कोई भी भगवान राम और माता जानकी का सम्मान नहीं करता, चाहे वे आपके कितने भी प्रिय क्यों न हों, उसे दुश्मन की तरह त्याग देना चाहिए। इसीलिए राम भक्तों ने 1990 में नारा दिया था, %जो राम का नहीं हमारे किसी काम का नहीं%। राजनीति में डॉ. राम मनोहर लोहिया आदर्शों के प्रतीक माने जाते हैं। आज की राजनीति में सच्चा समाजवादी स्वतंत्र है संपत्ति और बच्चों के प्रति लगाव से हालाँकि, आज के समाजवादी परिवारवादी बन गये हैं। अपराधियों और गुंडों के संरक्षण के बिना उनकी हालत पानी के बिना संघर्ष कर रही मछली की तरह हो जाती है... वे लोहिया के नाम पर राजनीति तो करते हैं लेकिन उनके एक भी आदर्श को नहीं अपना पाते हैं।

हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही फिर स्थगित

नईदिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पुलिस द्वारा गाजियाबाद के गाजीपुर बॉर्डर पर रोके जाने पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया. उस समय वह हिंसा प्रभावित संभल जा रहे थे. अपने नोटिस में गोगोई ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संभल जाने से रोककर सरकार ने विपक्ष के सरकार को जिम्मेदार ठहराने के अधिकार की अवहेलना की है. यह गंभीर चिंता का विषय है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को हाल के क्षेत्रीय तनाव की जमीनी हकीकत का आकलन करने के लिए कल संभल जाने से रोका गया. इस यात्रा का उद्देश्य शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना था. गोगोई ने कहा कि सरकार का यह अभूतपूर्व और अलोकतांत्रिक कदम संसदीय निगरानी के मौलिक सिद्धांतों और सरकार को जवाबदेह ठहराने के विपक्ष के अधिकारों की घोर अवहेलना है. गोगोई ने आगे जोर देकर कहा कि राहुल गांधी को साइट पर

जाने से मना करके सरकार ने लोगों की चिंता बढ़ाने के लिए विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी को कमजोर किया है. उन्होंने कहा कि जनता के प्रतिनिधि के रूप में विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी है कि वे लोगों की चिंताओं को उठाएं और सरकार को जवाबदेह ठहराएं. उन्हें महत्वपूर्ण स्थलों तक पहुंचने से रोकना इस कर्तव्य को पूरा करने की उनकी क्षमता को कमजोर करता है. यह कृत्य असहमति को दबाने और विपक्ष की आवाज को दबाने का एक जबरदस्त प्रयास है. यह घटना राज्य सरकार की पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल उठाती है. इससे पहले राहुल गांधी, वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ संभल जाने की कोशिश करते समय गाजीपुर सीमा पर पुलिस ने उन्हें रोक लिया. राहुल गांधी ने कहा कि हम संभल जाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पुलिस हमें जाने नहीं दे रही है. विपक्ष के नेता के तौर पर मेरा अधिकार है कि मैं वहां जाऊं, फिर भी वे मुझे रोक रहे हैं. मैं अकेले या पुलिस सुरक्षा में जाने को तैयार हूं, लेकिन उन्होंने उसे भी अस्वीकार कर दिया है. उनका दावा है कि हम कुछ दिनों में वापस आ सकते हैं, लेकिन यह विपक्ष के नेता और संविधान के अधिकारों का उल्लंघन है. हम बस संभल जाना चाहते हैं, लोगों से मिलना चाहते हैं और समझना चाहते हैं कि क्या हुआ है. इस अधिकार को नकारना नए भारत की स्थिति को दर्शाता है, एक ऐसा भारत जो संविधान और अंबेडकर के दृष्टिकोण को कमजोर कर रहा है. हम लड़ाई जारी रखेंगे. संभल में हिंसा 24 नवंबर को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा मुगलकालीन मस्जिद की जांच के दौरान भड़की थी. झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई और पुलिस कर्मियों और स्थानीय लोगों में से कई घायल हो गए. एएसआई सर्वेक्षण एक स्थानीय अदालत में दायर याचिका के बाद किया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि मस्जिद मूल रूप से हरिहर मंदिर के स्थल पर बनाई गई थी. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि देशों को परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देने का अधिकार है, लेकिन उन्हें नागरिकों की मौतों का भी ध्यान रखना चाहिए ।

भारत से पिंक बॉल टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट में 295 रन से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने परंपरा का निर्वाह करते हुए एडिलेड में दूसरे टेस्ट के प्लेइंग 11 की घोषणा एक दिन पहले गुरुवार को कर दी। पिंक बॉल टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 में 1 बदलाव हुआ। कप्तान पैट कमिंस ने जानकारी दी कि चोटिल जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड खेलते दिखेंगे।

स्कॉट बोलैंड को ऑस्ट्रेलिया के लिए लगभग 18 महीनों बाद पहला मैच खेलते देखा जाएगा। बोलैंड ने अपना आखिरी टेस्ट मैच पिछले साल एशेज सीरीज में खेला था। कमिंस ने ये भी जानकारी दी कि मिचेल मार्श दूसरे टेस्ट में गेंदबाजी करते दिखेंगे। ये ऑलराउंडर पीठ की जकड़न से जूझ रहा है। इसके कारण वह भारत की दूसरी पारी के दौरान गति से गेंदबाजी करने में असमर्थ है।

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी में बदलाव न होने का मतलब है कि उस्मान ख्वाजा के साथ नाथन मैकस्वीनी ओपनिंग करते दिखेंगे। स्टीव स्मिथ की चोट गंभीर नहीं है। स्मिथ को हाल ही में प्रैक्टिस सेशन के दौरान अंगूठे पर चोट लग गई थी। भारतीय टीम ने प्लेइंग 11 में बदलाव नहीं किया, लेकिन पहला टेस्ट जीतने के बाद भी 2 बदलाव तय हैं। रोहित शर्मा और शुभमन गिल की वापसी होगी।

भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11

उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड।

बांग्लादेश ने 15 साल बाद वेस्टइंडीज में जीता टेस्ट मैच, सीरीज हुई बराबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश ने 15 साल बाद वेस्टइंडीज में अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की। सबीना पार्क में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश ने मेजबान वेस्टइंडीज को 101 रनों से हराया।

दूसरी पारी में जाकिर अली की शानदार 91 रनों की पारी ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 287 रनों का लक्ष्य दिया। इसके बाद बाएं हाथ के स्पिनर तैजुल इस्लाम ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लेकर वेस्टइंडीज की टीम को 185 रनों पर ऑलआउट कर दिया।

तैजुल इस्लाम 5-50 का शानदार प्रदर्शन करके मैच के हीरो बने। यह टेस्ट क्रिकेट में उनका 15वां पांच विकेट हॉल था। चौथे दिन तैजुल की गेंदबाजी ने बांग्लादेश को जुलाई 2009 के बाद कैरेबियन में पहली टेस्ट जीत दिलाई। तैजुल ने कहा, विदेश में टेस्ट मैच जीतना बहुत खास है, जो हम अक्सर नहीं कर पाते। सभी खिलाड़ियों ने जबरदस्त मेहनत की।

इस जीत से बांग्लादेश ने दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप रैंकिंग में आठवां स्थान हासिल किया। हालांकि तैजुल ने दूसरी पारी में 5/50 लेकर सुर्खियां बटोरीं, लेकिन इस जीत में उनके अन्य साथियों का भी बड़ा योगदान रहा।

नवोदित तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने पहली पारी में 5-61 लेकर अपने टेस्ट करियर का पहला पांच विकेट हॉल लिया।

कप्तान हार्दिक पांड्या नहीं खेल पाएंगे पहला मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले मुंबई इंडियंस ने साफ कर दिया था कि अपकमिंग सीजन में भी टीम की कमान हार्दिक पांड्या के हाथों में ही होगी. लेकिन, इससे पहले मुंबई के लिए एक बुरी खबर सामने आई है. टीम के कप्तान हार्दिक अगले सीजन का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि बीसीसीआई ने उनपर बैन लगा दिया है. तो आइए आपको उस वजह के बारे में बताते हैं, जिसके चलते कैप्टन पर ये बैन लगा है. आईपीएल 2025 को शुरू होने में अभी टाइम है, लेकिन इससे पहले मुंबई इंडियंस को बड़ा झटका लगा है. उनके कप्तान यानी हार्दिक पांड्या अपकमिंग सीजन का पहला मैच मिस करने वाले हैं. बात कुछ ऐसी है कि कप्तान हार्दिक के ऊपर स्लो ओवर रेट की वजह से बैन लगाया गया है. नियम के मुताबिक आईपीएल के एक सीजन में 3 बार स्लो ओवर रेट पाए जाने पर टीम के कप्तान पर 1 मैच का बैन लगा दिया जाता है और आईपीएल 2024 में मुंबई 3 बार स्लो ओवर रेट की दोषी पाई गई. यही वजह है कि अब आईपीएल 2025 में हार्दिक पहला मैच नहीं खेल पाएंगे. अब जब हार्दिक पांड्या पहला मैच नहीं खेल पाएंगे, तो सवाल उठता है कि आखिर उनकी गैरमौजूदगी में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कौन करेगा? वैसे तो मुंबई के पास कप्तानी विकल्पों की कमी नहीं है. हार्दिक पांड्या, रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव में से कोई भी खिलाड़ी ये जिम्मेदारी बखूबी संभाल सकता है. मगर, रिपोर्ट्स की मानें, तो हार्दिक की गैरमौजूदगी में आईपीएल 2025 में सूर्या टीम की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं।

हॉकी इंडिया लीग की वेबसाइट लॉन्च और लीग शेड्यूल का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के 2024-2025 संस्करण के लिए एक समर्पित लीग वेबसाइट लॉन्च की गई और बहुप्रतीक्षित सीज़न के शेड्यूल की घोषणा की गई। 28 दिसंबर को राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में दिल्ली एसजी पाइपर्स और गोनासिका के बीच रोमांचक मैच के साथ शुरू होने वाला एचआईएल का नया संस्करण एक्शन से भरपूर वापसी का वादा करता है। एचआईएल की नई लॉन्च की गई वेबसाइट - हॉकीइंडियालीगडॉटकॉम- दुनिया भर के प्रशंसकों को लीग की ताज़ा ख़बरों, मैचों के शेड्यूल, पूरी टीम की सूची और एक्सक्लूसिव वीडियो कंटेंट तक आसान पहुंच प्रदान करती है। एक आकर्षक और इमर्सिव अनुभव देने के लिए डिज़ाइन की गई यह वेबसाइट एचआईएल से जुड़ी सभी चीज़ों के लिए अंतिम स्रोत होगी, जो प्रशंसकों, खिलाड़ियों और हॉकी के दीवानों को पहले से कहीं ज़्यादा खेल के करीब रखेगी। खिलाड़ियों की व्यापक नीलामी के बाद, आठ पुरुष और चार महिला टीमें इस प्रतियोगिता के लिए कमर कस रही हैं जो अब तक का सबसे बड़ा और सबसे बेहतरीन एचआईएल सीजन होने का वादा करता है।

शाहीन को टेस्ट में आराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें बाबर आजम के साथ मोहम्मद रिजवान, सैम अयूब और सलमान अली आगा को तीनों टीमों में शामिल किया है।

इस दौरे में तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट शामिल हैं, जो 10 दिसंबर से 7 जनवरी तक चलेगा। तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी, जो इंग्लैंड के खिलाफ पिछले दो टेस्ट से भी चूक गए थे, उन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत सफेद गेंद के मैचों के लिए चुना गया है। नसीम शाह को टेस्ट और वनडे के लिए चुना गया है।

चयन समिति के सदस्य और अंतरिम सफेद गेंद हेड कोच आकिब जावेद ने कहा, शाहीन शाह अफरीदी को टेस्ट टीम से बाहर करना एक रणनीतिक फैसला है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तरोताजा रहें। इसी तरह, फखर जमान के नाम पर विचार नहीं किया गया, क्योंकि वह अभी फॉर्म और मैच फिटनेस हासिल नहीं कर पाए हैं।

तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास भी टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं, जिन्होंने आखिरी बार अगस्त 2021 में जमैका में खेला था। इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट से चूकने के बाद नसीम को भी चार सदस्यीय तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल किया गया है।

पिछले महीने श्रीलंका ए के खिलाफ पाकिस्तान शाहीन्स के लिए 15 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद को भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। 15 सदस्यीय टेस्ट टीम में चौथे तेज गेंदबाज मीर हमजा हैं।

जावेद ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बावजूद साजिद खान

को बाहर रखना एक बहुत ही कठिन और मुश्किल फैसला था। हालांकि, सेंचुरियन और केपटाउन में तेज गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए, हमने मोहम्मद अब्बास को चुना, जो सीम गेंदबाजी के बेहतरीन खिलाड़ी हैं।

श्रृंखला की शुरुआत 10 दिसंबर को डरबन में पहले टी20 मैच से होगी, जिसके बाद 17 दिसंबर को पार्ल में पहला वनडे मैच होगा। टेस्ट मैच क्रमशः 26 दिसंबर और 3 जनवरी को सेंचुरियन और केपटाउन में खेले जाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए पाकिस्तानी टीम:

टेस्ट: शान मसूद (कप्तान), सऊद शकील (उप-कप्तान), आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, बाबर आजम, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), कामरान गुलाम, खुर्रम शहजाद, मीर हमजा, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), नसीम शाह , नोमान अली, सईम अयूब और सलमान अली आगा। वनडे: मोहम्मद रिजवान (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, बाबर आजम, हारिस रऊफ, कामरान गुलाम, मोहम्मद हसनैन, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, सईम अयूब, सलमान अली आगा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मोकिम, तय्यब ताहिर और उस्मान खान (विकेटकीपर)।

टी20: मोहम्मद रिजवान (कप्तान और विकेटकीपर), अबरार अहमद, बाबर आजम, हारिस रऊफ, जहांदाद खान, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद हसनैन, मुहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, सईम अयूब, सलमान अली आगा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफियान मोकिम, तैयब ताहिर और उस्मान खान (विकेटकीपर)।

2009 के बाद पहली बार ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में भाग लेंगे नोवाक जोकोविच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिस्बेन 2025 इंटरनेशनल ने बुधवार को 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच के नेतृत्व में 61 पेशेवर टेनिस खिलाड़ियों की स्टार-स्टडेड लाइनअप की घोषणा की, जिसका आगाज 29 दिसंबर को पैट राफ्टर एरिना में होगा।

10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन और 99 करियर खिताबों के धारक जोकोविच, 2009 के बाद पहली बार ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में खेलेंगे, जो टूर्नामेंट का पहला साल था। अपने 100वें खिताब की तलाश में सर्बियाई महान खिलाड़ी पहली बार ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में प्रतिस्पर्धा करने के बाद ब्रिस्बेन लौटने के लिए उत्साहित हैं।

जोकोविच ने कहा, मैं ब्रिसबेन इंटरनेशनल में अपना ऑस्ट्रेलियाई अभियान शुरू करने और पैट राफ्टर एरिना में फिर से प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्साहित हूं। मैं ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों से मिलने वाले अविश्वसनीय समर्थन का अनुभव करने और इस टूर्नामेंट को यादगार बनाने के लिए उत्सुक हूं।

जोकोविच एटीपी 250 इवेंट में गत चैंपियन ग्रिगोर दिमित्रोव (नंबर 10), होल्गर रूण (नंबर 13) और फ्रांसेस टियाफो (नंबर 18) के साथ भाग लेंगे।

प्रभावशाली पुरुष क्षेत्र में तीन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल हो गए हैं, निक किर्गियोस (पीआर 21), एलेक्सी पोपिरिन (नंबर 24) और जॉर्डन थॉम्पसन (नंबर 26), जिनके साथ सेबस्टियन कोर्डा (नंबर 22), माटेओ बेरेटिनी (नंबर 34) और गेल मोनफिल्स (नंबर 55) को भी पिछले कुछ हफ्तों में नामित किया गया है।

महिलाओं की डब्ल्यूटीए 500 स्पर्धा में भी उतनी ही प्रभावशाली खिलाड़ी हैं, जिनमें दुनिया की नंबर 1 एरिना सबालेंका भी शामिल हैं। उनके साथ तीन अन्य शीर्ष-10 खिलाड़ी भी हैं- जेसिका पेगुला (नंबर 7), एम्मा नवारो (नंबर 8), और डारिया कसाटकिना (नंबर 9)।

आईसीसी में यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली को बड़ा नुकसान, बुमराह की बादशाहत कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। इस रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली को नुकसान हुआ है। जबकि जसप्रीत बुमराह की बादशाहत कायम है। दरअसल, पिछले हफ्ते के अपडेट में दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच खेले गए पहले टेस्ट के अलावा न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट को भई शामिल किया गया है।

वहीं टेस्ट रैंकिंग की बात करें तो, इंग्लैंड के जो रूट पहले स्थान पर बने हुए हैं जबकि इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक दो स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे स्थान पर हैं तो भारत के यशस्वी जायसवाल दो स्थान के नुकसान के साथ चौथे नंबर पर खिसक गए हैं। श्रीलंका के कमिंडू मेंडिस दो स्थान के

फायदे से अब सातवें नंबर पर हैं तो साउथ अफ्रीका के टेम्बा बावुमा 14 स्थान के जबरदस्त फायदे से सीधे 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

इसके अलावा भारतीय सलामी बल्लेबाज विराट कोहली टॉप 10 से बाहर हो गए हैं, उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ और वह अब 14वें स्थान पर हैं। श्रीलंका के धनंजय डी सिल्वा एक स्थान के फायदे से 15वें तो दिनेश चंडीमल दो स्थान के फायदे से 17वें पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के ओली पोप आठ स्थान के फायदे से 32वें नंबर पर तो बेन स्टोक्स सात स्थान के फायदे से 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

हालांकि, टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा उनके बाद दूसरे स्थान पर कायम हैं। श्रीलंका के प्रभात जयसूर्या तीन स्थआन के नुकसान से आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं डरबन टेस्ट में 11 विकेट अपने नाम करने वाले दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन 19 स्थान के जबरदस्त फायदे से सीधे 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

एडिलेड टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ ये खिलाड़ी करेगा ओपनिंग, कप्तान रोहित शर्मा ने दिया अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार 6 दिसंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट मैच खेला जाएगा। लेकिन उससे पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा मीडिया से मुखातिब हुए। इस दौरान उन्होंने अभी तक उठने वाले सबसे बड़े सवाल कि, यशस्वी जायसवाल के साथ कौन ओपनिंग करेगा? से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा ने पुष्टि की है कि केएल राहुल ही यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करेंगे। वहीं रोहित पिछली न्यूजीलैंड के खिलाफ घर पर खेली गई सीरीज के बाद से लगातार सवालों के घेरे में हैं। रोहित सीरीज की 6 पारियों में केवल एक बार पचास का आंकड़ा पार कर पाए हैं। उस दौरान वह 93 रन ही बना पाए थे। 15.16 का उनका औसत उनके टेस्ट करियर का सबसे खराब

औसत रहा, जिसमें उन्होंने कम से कम तीन मैच खेले हों। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में रोहित शर्मा उपस्थित नहीं थे क्योंकि वो दूसरी बार पिता बने थे जिस कारण वो भारत में ही अपने परिवार के साथ थे।

हालांकि, इसके बाद कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया प्राइम मिनिस्टर 11 के खिलाफ भी उन्होंने ओपनिंग की। इसके बाद चर्चा हो रही थी कि क्या वह एडिलेड में ओपनिंग करेंगे? रोहित शर्मा ने जानकारी दी है कि ऐसा ही होगा।

रोहित ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, केएल राहुल ओपनिंग करेंगे। जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की और जायसवाल के साथ उनकी साझेदारी ने उस पहले टेस्ट की जीत में अहम भूमिका निभाई। जिस तरह से उन्होंने भारत के बाहर बल्लेबाजी की है वह इसके हकदार हैं। मैं बीच में कहीं बल्लेबाजी करूंगा। ये काफी सरल निर्णय था। व्यक्तिगत रूप से बल्लेबाज के तौर पर ये आसान नहीं था, लेकिन टीम के लिए ये एक आसान निर्णय था। वहीं पर्थ टेस्ट में टीम इंडिया के दोनों दिग्गज आर अश्विन और रविंद्र जडेजा नहीं खेले थे। लेकिन रोहित ने पुष्टि की है कि ये जोड़ी सीरीज के बाकी मैचों में अहम भूमिका निभाएगी।

ऑफ स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर को पर्थ में एकमात्र स्पिनर के रूप में मौका मिला था जहां जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में तेज गेंदबाजों ने दबदबा दिखाया था।

उप मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा

रीवा. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल 6 दिसम्बर को सुबह 10.20 बजे बैंगलुरू एयरपोर्ट से वायुयान से रवाना होकर दोपहर 12.45 बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचेंगे। उप मुख्यमंत्री प्रयागराज एयरपोर्ट से कार द्वारा प्रस्थान कर दोपहर बाद 3.30 बजे रीवा पहुंचेंगे।

मुख्यमंत्री 8 को जन कल्याण उत्सव के संबंध में करेंगे वीसी

रीवा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 8 दिसम्बर को शाम 6 बजे से आयोजित कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को जन कल्याण उत्सव के संबंध में निर्देश देंगे। जन कल्याण उत्सव प्रदेश के सभी जिले में 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर, कलेक्टर तथा अन्य संबंधित अधिकारी शामिल होंगे।

कलेक्टर आज करेंगी राजस्व महाभियान की समीक्षा

रीवा. राजस्व महाभियान का तीसरा चरण 15 नवम्बर से जारी है। अभियान 15 दिसम्बर तक चलेगा। इस अभियान में राजस्व अधिकारियों द्वारा नामांतरण, सीमांकन, बटवारा तथा नक्शा तरमीम के प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। अभियान के दौरान अभिलेखों में सुधार तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की ईकेवाईसी भी की जा रही है। कलेक्टर प्रतिभा पाल अभियान की प्रगति की 6 दिसम्बर को समीक्षा बैठक लेंगी।

कलेक्टर ने धान खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

खरीदी कार्य में गति लाने के साथ ही पर्याप्त मात्रा में बारदानों की उपलब्धता कराने के दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने गुढ़ अन्तर्गत विभिन्न खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा खरीदी गई मात्रा तथा स्टाल बुकिंग के अनुसार किसानों से धान खरीदी के विषय जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने वेयर हाउस रीठी, धान खरीदी केन्द्र बरहदी क्रमांक एक तथा सेवा सहकारी समिति केन्द्र गुढ़ का निरीक्षण करते हुए उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदी कार्य को गति दें तथा पर्याप्त मात्रा में केन्द्रों में बारदानों की उपलब्धता रहे। उन्होंने कहा कि खरीदी गई धान साफ हो तथा मानक अनुरूप 17 प्रतिशत नमी का पालन करें। कलेक्टर ने केन्द्रों में धान की क्वालिटी, तौल तथा भराई कार्य का अवलोकन किया तथा निर्देश दिये कि अधिक संख्या में मजदूर लगाकर खरीदी कार्य को गति दें ताकि आने वाले किसानों का धान समय से खरीदा जा सके और उन्हें अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। उन्होंने प्रति दिवस स्टाल बुकिंग के अनुसार की गई खरीदी की भी जानकारी प्राप्त की।

खरीदी केन्द्रों में कलेक्टर ने किसानों से संवाद किया। ग्राम नैकिन के कृष्णधर द्विवेदी, खजुहा के परससुख चौरसिया तथा शिवकुमार एवं बड़ागांव के अनुज तिवारी ने बताया कि वह आज ही धान लेकर

आये थे उनकी धान की तौलाई हो गई है वह केन्द्र में की गई व्यवस्थाओं से संतुष्ट हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि खरीदी केन्द्रों में पानी, प्रकाश, छाया के अतिरिक्त ठण्ड से बचाव के लिये अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में छन्नों की उपलब्धता तथा सिलाई मशीनें रखे जाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने राजस्व व खरीदी से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदी केन्द्रों का भ्रमण करें तथा सुचारू खरीदी की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। उन्होंने नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी को निर्देश दिये कि खरीदी केन्द्रों में बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता रहे। कहीं से भी बारदानों के कारण खरीदी प्रभावित न हो साथ ही खरीदी गई धान के परिवहन की भी व्यवस्था करायें। भ्रमण के दौरान अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, एसडीएम गुढ़ डॉ. अनुराग तिवारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अब तक 32920 धक्कटल हुई धान की खरीद

किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए पंजीकृत किसानों से जिले भर में बनाये गये 80 खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन 2 दिसंबर से किया जा रहा है। किसानों से एफएक्यू धान 2300 रूपये प्रति धक्कटल की दर से सहकारी समितियों द्वारा खरीदी जा रही है। जिले में अब तक 629 किसानों से अब तक 32920 धक्कटल धान की खरीद की गयी है। इस संबंध में संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी खाद्य पीके पाण्डेय ने बताया कि अब तक की गयी खरीदी के लिए किसानों को 7 करोड़ 16 लाख 2 हजार 222 रूपये मंजूर किये जा चुके हैं। सभी खरीदी केन्द्रों में आगामी 10 दिवस की खरीदी के लिए पर्याप्त मात्रा में बारदाने उपलब्ध करा दिये गये हैं। किसान अपनी सुविधा के अनुसार स्लॉट बुक करके खरीदी केन्द्र और खरीदी के समय का निर्धारण करके समर्थन मूल्य पर धान दे सकते हैं। खरीदी के लिए अब तक 11 हजार 416 किसानों ने स्लॉट बुक कराये हैं। किसान खरीदी केन्द्रों में सुखाकर तथा साफ करके धान लायें जिससे गुणवत्ता के कारण धान के उपार्जन में किसी तरह की परेशानी न हो।

नामांतरण-बटवारे के बाद नक्शा तरमीम अनिवार्य रूप से करायें

कमिश्नर ने नागौद और उचेहरा तहसीलों का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के सभी जिलों में 15 नवम्बर से राजस्व महाभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत कमिश्नर बीएस जामोद ने सतना जिले की नागौद और उचेहरा तहसीलों में एसडीएम कार्यालय एवं तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, नक्शा तरमीम, अभिलेखों में सुधार, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के प्रकरणों में ई केवाईसी सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की फाइलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय आईजी एमएस सिकरवार, कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, एसडीएम एपी द्विवेदी, एसडीओपी विदिता डागर तथा अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के समय कमिश्नर ने कहा कि नामांतरण और बटवारे में आदेश पारित होने के बाद तत्काल नक्शा तरमीम कराएं। अद्यतन नक्शे प्रकरण की फाइल में संलग्न करें। बटवारे के लिए सजरा, वंशावली का पटवारी से सत्यापन अनिवार्य रूप से कराएं। नामांतरण के नवीन प्रकरणों में नक्शा तरमीम अनिवार्य रूप से करें। राजस्व प्रकरणों में कम दिनों की पेशी निर्धारित कर प्रकरण का अंतिम रूप से निराकरण करें। राजस्व प्रकरण में आवेदक और अनावेदक दोनों को प्रकरण की सूचना अनिवार्य रूप से तामील कराएं। राजस्व महाभियान में प्रत्येक गांव में बी-1 का वाचन किया जा रहा है। इसमें फौती नामांतरण के जितने भी प्रकरण दर्ज हो रहे हैं उनका 13 दिसम्बर तक अनिवार्य रूप से निराकरण करें। नक्शा तरमीम तथा किसान सम्मान निधि में ई केवाईसी करने के लिए प्रत्येक पटवारी को दैनिक लक्ष्य निर्धारित करें। इन लक्ष्यों की पूर्ति की हर सप्ताह समीक्षा करें। सभी राजस्व अधिकारी नियमित रूप से प्रकरणों की सुनवाई करें।

क्षेत्र में भ्रमण के दौरान जल जीवन मिशन के कार्यों और धान उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण भी अनिवार्य रूप से करें। निरीक्षण के समय उपस्थित कलेक्टर ने बताया कि राजस्व महाभियान में निर्धारित किए गए लक्ष्यों के अनुसार सतना जिले में नामांतरण के 90 प्रतिशत तथा बंटवारे के 85 प्रतिशत प्रकरण निराकृत हो गए हैं। तीन दिवस में लंबित शत-प्रतिशत प्रकरण निराकृत हो जाएंगे। निरीक्षण के बाद कमिश्नर ने अधिवक्ताओं तथा आमजनों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनी। कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए।

शहीद केदारनाथ पीजी कॉलेज मऊगंज में लगाया गया लर्निंग लाइसेंस शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। परिवहन विभाग रीवा द्वारा आज कॉलेज के छात्रों के लिए मऊगंज जिले में लर्निंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया।जिसमे लगभग 100 से ज्यादा की संख्या में छात्र छात्राए उपस्थित रहे।शिविर में छात्रो को लाइसेंस स्वयं से बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया।जिसमे छात्रो को आधार कार्ड के माध्यम से उनका ऑनलाइन लाइसेंस बनाकर मौके पर ही डेमो भी दिया गया और उनका लाइसेंस भी बनाकर दिया गया। छात्रो को यातायात और रॉड सेफ्टी के बारे में जानकारी दी गई।साथ ही उन्हें अपने घर के चार सदस्यों को भी जागरूक करने के लिए कहा गया।आज के लाइसेंस शिविर में 53 फेसलेस लाइसेंस बनाए गए।आज के शिविर में परिवहन विभाग के अलावा कालेज से एन सी सी अधिकारी आर एन सिंह डॉ प्रमोद प्रजापति प्राचार्य श्री एस एल मिश्र डॉ प्रभाकर सिंह आदि उपस्थित रहे।

कोल जनजाति के विकास की बनायें कार्ययोजना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कोल जनजाति विकास की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि जिले की सभी जनपद पंचायतों में कोल जनजाति बड़ी संख्या में निवास कर रही है। शासन के निर्देशों के अनुसार इनका ग्रामवार तथा ग्राम पंचायतवार सर्वेक्षण करके कोल बहुल बस्तियों का चिन्हांकन करें। इन बस्तियों में मूलभूत अधोसंरचना के विकास के कार्य शामिल करते हुए तीन दिवस में कार्ययोजना प्रस्तुत करें। जिससे धरती आबा अभियान के तहत चिन्हित गांव में विकास के कार्य कराये जा सकें।

लैपटाप पाकर दिव्यांग गोरेलाल के चेहरे पर आई प्रसन्नता की मुस्कान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शिक्षा विकास की कुंजी है। इस बात को जितना आम व्यक्ति महसूस करता है उससे अधिक दोनों आंखों से दिव्यांग गोरेलाल ने महसूस किया। अपने शिक्षा के जज्बे को मऊगंज के ग्राम उचेहरा निवासी गोरेलाल ने ब्रोनलिपि से पढ़ाई करके पूरा किया। लगन और समर्पण से पढ़ाई करते हुए गोरेलाल ने कक्षा दसवीं और कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की। गोरेलाल वर्तमान जबलपुर में आईटीआई में कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनके शिक्षा प्राप्त करने की राह को मुख्यमंत्री निःशक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना ने आसान बना दिया है। कलेक्ट्रेट कार्यालय में दिव्यांग गोरेलाल को कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मुख्यमंत्री निःशक्त प्रोत्साहन योजना के तहत निःशुल्क लैपटाप प्रदान किया। लैपटाप पाकर दिव्यांग गोरेलाल बहुत खुश हुए। उन्होंने कहा कि यह लैपटाप मेरी आगे की शिक्षा के लिए मददगार होगा। उन्होंने कलेक्टर से बताया कि अब इस लैपटाप के माध्यम से मैं प्रोग्रामिंग, टायपिंग सहित कम्प्यूटर से संबंधित अन्य कार्य सीखूंगा जो मेरे आगामी भविष्य के लिए सहायक होंगे साथ ही यह लैपटाप मेरी शिक्षा अध्ययन में भी मददगार होगा। निःशुल्क लैपटाप मिलने से गोरेलाल की तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई पूरा करने और स्वयं का रोजगार स्थापित करने की राह आसान हुई है।

मनगवां थाने की मनमानी : न्यायालय ने लिया संज्ञान, निष्पक्ष कार्यवाही के एसपी को दिए निर्देश

केस डायरी में सफेदा लगाकर छिपाया आरोपी का नाम, अनजाने युवक को बना दिया एनडीपीएस का आरोपी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के मनगवां थाने की मनमानी इन दिनों चरम पर है तथा आए दिन थानाध्यक्ष की लापरवाही के किस्से सामने आते रहते हैं ताजा मामला सामने आया है निर्दोष व्यक्ति को एनडीपीएस एक्ट की कार्यवाही में फंसाने का जिसपर गुरुवार को विशेष न्यायालय के द्वारा सुनवाई करते हुए निर्देश युवक को जमानत में रिहा किया गया है साथ ही विशेष न्यायालय ने एसपी रीवा को मामले पर निष्पक्ष कार्यवाही के लिए निर्देशित किया है। इसके पहले विगत दिनों मनगवा थाने से मनमानी का एक और मामला भी सामने आया था जिसमें 90 दिनों के बाद तक थाने से हत्या के केस की डायरी न्यायालय में पेश नहीं की गई थी जिसके बाद लगातार यह दूसरा मामला उजागर हुआ है।

दरअसल बीते दिनों मनगवा थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत करीब 1 किलो 826 ग्राम गांजे की कार्यवाही की थी जिसमे पुलिस के द्वारा 2 महिलाओं को आरोपी बनाया गया था तथा उक्त केस में तैयार की गई डायरी में इन दोनों आरोपियों के बयान लिखे गए थे जिसमें उन्होंने अपने किसी तीसरे साथी का नाम उजागर किया था परंतु केस डायरी में उक्त आरोपी का नाम लिखने के बाद भी डायरी में सफेदा यानी व्हाइटनर लगाकर अन्य निर्दोष व्यक्ति के नाम को डाल दिया गया जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया और उसे जेल भेज दिया गया जिसके बाद आरोपी बने निर्दोष व्यक्ति के अधिवक्ता ने न्यायालय के समक्ष व्हाइटनर लगी केस डायरी की दलील पेश की और बताया कि उक्त इंसान को बेवजह ही फंसाया जा रहा है तब अधिवक्ता की दलीलों को सही मानते हुए न्यायालय ने एसपी रीवा को निष्पक्ष जांच करने के लिए निर्देशित करते हुए पत्र लिखा है।

बताया जा रहा है कि पुलिस ने किसी तीसरे आरोपी के नाम पर व्हाइटनर लगाते हुए स्थानीय निवासी संदीप जयसवाल को गिरफ्तार कर एनडीपीएस का आरोपी बनाया था जबकि वह घटना क्रम से अंजान है जिस पर न्यायालय ने संदीप जयसवाल को जमानत पर रिहा करते हुए एसपी को मामले की जांच कराने पत्र लिखा है।

खाद की कालाबाजारी पर एफआईआर हुई दर्ज

रीवा. खाद की कालाबाजारी करने तथा निर्धारित दर से अधिक राशि लेकर किसानों को डीएपी खाद की बिक्री करने पर मेसर्स शिव खाद बीज भण्डार पुराना बस स्टैण्ड रीवा के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। यह कार्यवाही आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत की गई है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि खाद और बीज विक्रेताओं के दुकानों की नियमित जाँच की जा रही है। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी बीपी सिंह को शिव खाद बीज भण्डार से अधिक दाम में डीएपी खाद की बिक्री की शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत के साथ इसका वीडियो भी प्रस्तुत किया गया। जाँच करने पर दुकान से अधिक दाम में डीएपी खाद की बिक्री पाए जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत दुकान के संचालक शिव कुमार गुप्ता के विरूद्ध सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

सोहागी घाटी में एक के बाद एक दो हादसे पुलिस ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की सोहागी घाटी में हादसों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा, और जिम्मेदार हैं कि बेपरवाह बने बैठे हैं। आज फिर सुबह कुछ ही अंतराल में सोहागी घाटी में दो सड़क हादसे हुए। जानकारी के मुताबिक सुबह लगभग 7 बजे एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई. जिसमें चालक घायल हो गया। बताया जा रहा है कि कार सवार बैंक का अधिकारी है। इस सड़क हादसे की सूचना पर पुलिस बल मौके पर पहुंची और घायल को कार से बाहर निकालकर अस्पताल ले जाने ही वाली थी, तभी सुबह 10 बजे एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया।

बताया गया है कि पहली घटना की सूचना पर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे सुहागी थाना प्रभारी पवन शुक्ला ने कार सवार को सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया। इसी दौरान अनना फानन में फिर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और ट्रक चालक को निकलवा कर अस्पताल पहुंचाया गया। अब सवाल यह उठता है कि लगातार हो रहे हादसों के बिच आखिरकार प्रशासन की नींद कब टूटेगी।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में रीवा को मिला प्रथम पुरस्कार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उद्योग विभाग के तहत संचालित मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना तथा अन्य लघु उद्यमों की सफल इकाईयों से निरंतर विभिन्न वस्तुओं का उत्पादन किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर इनका विपणन होने के साथ प्रदेश और देश के प्रमुख व्यापार मेलों में भी इन वस्तुओं की बिक्री की जा रही है। दिल्ली में प्रगति मैदान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में भी रीवा जिले के विभिन्न उद्यमों के उत्पाद रखे गए थे। व्यापार मेले में लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) इकाई के उत्पाद प्रदर्शन में मध्यप्रदेश में रीवा जिले को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। कलेक्टर प्रतिभा पाल को जिला महाप्रबंधक उद्योग जेपी तिवारी ने पुरस्कार के रूप में प्राप्त ट्रॉफी कलेक्टर कार्यालय में भेंट की। कलेक्टर ने रीवा जिले के उद्यमियों एवं उद्योग विभाग को इस सफलता के लिए बधाई दी है।

कमिश्नर और आईजी ने किया एसडीओपी कार्यालय का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राजस्व महाभियान में संभाग के विभिन्न जिलों का भ्रमण करते हुए कमिश्नर बीएस जामोद ने सतना जिले का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान कमिश्नर जामोद तथा आईजी एमएस सिकरवार ने नागौद अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय कार्यालय में अभिलेखों के संधारण, अपराधों के अन्वेषण की व्यवस्था, साफ-सफाई व्यवस्था तथा जन शिकायत निवारण व्यवस्था की जानकारी ली गई। मौके पर उपस्थित पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने कार्यालय की व्यवस्थाओं की जानकारी दी। निरीक्षण के समय कलेक्टर अनुराग वर्मा, एसडीएम एपी द्विवेदी, एसडीओपी विदिता डागर तथा अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

सभी निराकृत राजस्व प्रकरण ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने राजस्व महाअभियान के तहत सतना जिले की उचेहरा तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने नामांतरण, बटवारा तथा सीमांकन के प्रकरणों की फाइलों का अवलोकन किया। कमिश्नर ने कहा कि राजस्व महाअभियान के दौरान प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। सभी निराकृत राजस्व प्रकरण ऑनलाइन अनिवार्य रूप से दर्ज करें। प्रत्येक पटवारी को नक्शा तरमीम तथा किसान सम्मान निधि में ईकेवाइसी कराने के लिए दैनिक लक्ष्य निर्धारित करें। कमिश्नर ने सीमांकन के 29 तथा नामांतरण के 81 प्रकरण लंबित रहने पर नाराजगी जताई। कमिश्नर ने कहा कि जिन प्रकरणों की सुनवाई पूरी हो गयी है। उनके आदेश तत्काल जारी करें। प्रत्येक प्रकरण की नोटशीट पीठासीन अधिकारी नियमों और निर्देशों का पालन करते हुए स्वयं की ओर से लिखे।

कमिश्नर ने कार्यालय का निरीक्षण करते हुए कहा कि तहसील भवन की पोताई तथा साफ-सफाई नियमित रूप से करायें। तहसील न्यायालय में जिले और तहसील का नक्शा अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें। अभियान के दौरान प्रत्येक पटवारी के कार्यों का साप्ताहिक मूल्यांकन करें। प्रकरणों के निराकरण, नक्शा तरमीम तथा राजस्व प्रकरणों में रिपोर्ट समय पर उपलब्ध न कराने वाले लापरवाह पटवारियों पर कार्यवाही करें। अभियान के समापन पर अपेक्षा अनुरूप प्रगति न पाये जाने पर पटवारियों पर कार्यवाही की जायेगी। निरीक्षण के समय उपस्थित कलेक्टर अनुराग वर्मा ने बताया कि राजस्व अभियान पूरा होने के पहले ही अभियान में निर्धारित बिन्दुओं के राजस्व प्रकरण शत-प्रतिशत निराकृत कर लिये जायेंगे। इसके लिए प्रत्येक पटवारी का लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। निरीक्षण के समय संबंधित राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।